website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 209 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 08 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

मुसलमानों का हितैषी कौनसा राजनीतिक दल है?

-क्या मुस्लिम लीडर अपनी कौम की फिक्र कर रहे हैं?

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देश में मुसलमानों की आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। यही कारण है कि ज्यादातर मुस्लिम परिवार अपने बच्चों को या तो शिक्षा दिला ही नहीं पा रहे हैं या फिर जो थोड़ी बहुत शिक्षा दिला रहे हैं उनके बच्चों को उच्च शिक्षा मिलना मुश्किल होता जा रहा है। मात्र 5-10 प्रतिशत मुस्लिम परिवार के बच्चे ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर पा रहे हैं। कम शिक्षा के कारण मुस्लिम युवा पीढ़ी को रोजगार के नाम पर मजदूरी या फिर कम सैलरी की प्राइवेट नौकरी ही मिल पा रही है। देश की स्वतंत्रता को करीब 78 वर्ष हो गए। इस पीरियड में मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर हो गई। गरीबी के कारण नगर निगम, नगर पालिका एवं निजी संस्थानों में साफ सफाई का काम मुस्लिम समुदाय के मजदूर करने लगे हैं। सरकारों की तरफ से मुस्लिम क्षेत्रों में सरकारी सुविधाओं का विस्तार बंद कर दिया गया है। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में गंदगी, अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण की भरमार है। रास्तों में अतिक्रमण और गंदगी के कारण आना जाना मुश्किल हो जाता है यही कारण है कि मुस्लिम क्षेत्रों में कोई व्यापारी एवं कारोबारी आना ही नहीं चाहता है। क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी कमजोर है कि यहां नशा खुलकर होने लगा है, अपराध बढ़ रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों के लीडर फिर भी मुस्लिम जनता से वोट बैंक जैसा व्यवहार कर रहे हैं।

राजनीतिक पार्टियां:
देश की राजनीतिक पार्टियां मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक समझती हैं और केवल दो चार वकतव्य या भाषण मुसलमानों के पक्ष में देकर मुसलमान के वोट बैंक पर अधिकार समझती है। जबकि देश की एकमात्र पार्टी भाजपा ऐसी पार्टी है जो मुसलमानों के विरोध में रहती है और हिन्दत्व को देश में बढ़ावा देने के नाम पर मुसलमानों का विरोध करना जरूरी समझती है। कांग्रेस ने देश पर करीब 50 वर्ष शासन किया है। कांग्रेस के शासन में मुसलमानों की हालत बदतर हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम समाज में कार्यकर्ता तो थोक के भाव पैदा किए लेकिन पहली पंक्ति की मुस्लिम लीडरशिप को करीब करीब समाप्त कर दिया। देश में मुसलमानों की समस्याओं की बात सभी कथित सेकुलर दल करते है। लेकिन यही दल जब सत्ता में आते हैं तो मुसलमानों को शिक्षा, रोजगार एवं विकास देना भूल जाते हैं। मुसलमानों की सोच देश में सिर्फ भाजपा को हराने के लिए मतदान करने की रह गयी है। अफसोस की बात है कि मुस्लिम समाज के सांसद, विधायक एवं अन्य पदाधिकारी मुस्लिम समाज की बुनियादी समस्याओं के लिए आवाज नहीं उठाते हैं। बल्कि राजनीतिक पार्टियों की तरह मुस्लिम समाज को सिर्फ अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने की चाबी समझने लगे हैं। यही कारण है कि वर्तमान में जयपुर सहित मुस्लिम क्षेत्रों में सड़कें, सफाई, बिजली, सीवर लाइन, स्कूल और हॉस्पिटलों की खस्ता हालत है।

मुस्लिम समाज क्या करें:
कांग्रेस की पिछली सरकार में करीब 9-10 मुस्लिम विधायक थे। कांग्रेस को सत्ता में लाने में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा योगदान था। फिर भी फंड एलॉट होने के बाद जयपुर में बॉयज़ छात्रावास के लिए जमीन एलॉट होने के बाद भी निर्माण नहीं होने दिया। बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सहमति से मुस्लिम वोटो से जीत कर अपनी राजनीति चमकाने वाले यूडीएच मंत्री शांतिधारीवाल ने छात्रावास के लिए जयपुर में दी गई जमीन निरस्त करदी। जयपुर के दो मुस्लिम विधायक कुछ नहीं कर सके। साथ में उन्होंने जयपुर में छात्रावास बनाने के लिए होने वाले आंदोलन को रोकने के प्रयास भी किए। कांग्रेस के राज में आरएएस के अलावा दूसरे कैडर से आईएएस बनने वालों में एक भी मुस्लिम आईएएस नहीं बना। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री भैरो सिंह और श्रीमती वसुंधरा राजे के कार्यकाल में तीन आईएएस बने। कहने के लिए मुसलमान कांग्रेस को थोक के भाव वोट देता है। मुख्यमंत्री वसुंधरा के राज में कर्बला में हज हाउस के लिए जमीन एलॉट की गई। जबकि कांग्रेस मीरजी के बाग, एम आई रोड की जमीन जो वक्फ प्रॉपर्टी थी, वह भी वक्फ को नहीं दी गई। इसलिए मुसलमानों को अपने राजनीतिक फायदे के लिए फिर से सोचने की जरूरत है। मुसलमानों को अब राजनीतिक विकल्पों पर गौर करने की जरूरत है। राजस्थान में कांग्रेस, भाजपा और आरएलपी विकल्प है। किसी को समर्थन दें लेकिन शर्तों के आधार पर समर्थन देना चाहिए। जो पार्टी मुसलमानों को शिक्षा, रोजगार एवं विकास पर ध्यान दें उसी को समर्थन देना चाहिए, चाहे राजनीतिक दल छोटा हो या बड़ा। राजनीतिक पार्टियों को हारने और जिताने के खेल से अब मुसलमानों को बाहर आना चाहिए। यदि समुदाय अपनी राजनीतिक जागरूकता नहीं बढ़ाता है तो भविष्य में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद मामले में बड़ा फैसला

-मथुरा शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा करार देने से इनकार किया

प्रयागराज। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा करार देने से इनकार कर दिया है। हिंदू पक्ष की तरफ से 5 मार्च, 2025 को मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किए जाने की याचिका दायर की गई थी। हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था ईदगाह का निर्माण श्रीकृष्ण जन्मभूमि को तोड़ कर किया गया था। इस केस में 23 मई को बहस पूरी कर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। 4 जुलाई 2025 को हिंदू पक्ष की याचिका खारिज कर दी गई। हाई कोर्ट की जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की बेंच ने कहा कि मौजूदा तथ्यों और याचिका के आधार पर मथुरा की शाही ईदगाह को फिलहाल विवादित ढांचा नहीं घोषित किया जा सकता। इस मामले की अगली सुनवाई 2 अगस्त, 2025 को होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मथुरा के कटरा केशव देव क्षेत्र में 13.37 एकड़ जमीन है जिस पर मंदिर और मस्जिद दोनों बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 11 एकड़ जमीन पर मंदिर बना है, बाकी पर ईदगाह का दावा है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 1670 में औरंगजेब ने जन्मस्थान पर बने मंदिर को तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि वहां पर मस्जिद होने का कोई साक्ष्य आज तक शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष न्यायालय में पेश नहीं कर सका। न खसरा खतौनी में मस्जिद का नाम है, न नगर निगम में उसका कोई रिकॉर्ड। न कोई टैक्स दिया जा रहा, बिजली चोरी की रिपोर्ट भी शाही ईदगाह प्रबंध कमेटी के खिलाफ भी हो चुकी है, फिर इसे मस्जिद क्यों कहा जाए। इसलिए मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित किया जाए।

अब क्या:-
देश भर में पुरानी मस्जिदों खानकाहों और दरगाहों को विवादित बताकर अदालतों में मुकदमे किया जा रहे थे। लेकिन माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब ऐसा नहीं हो सकेगा। यह फैसला हिंदू-मुस्लिम शांति का कारण भी बन सकता है। पूजा स्थल अधिनियम 1991 के तहत देश में 1947 से पहले जो भी जैसी भी स्थिति में है, उस धार्मिक स्थल का चरित्र को संरक्षित करने और उनके परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए है। फिर देश में धार्मिक समूह इस पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम की खुली अवहेलना कर रहा है।

विकास कार्यों में अब देरी नहीं होगी - भजनलाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए कृत संकल्पित है। विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुंचे, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है। टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाइल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्यों के शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है। विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था। इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस व्यवस्था में सुधार के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है।
कार्यकारी विभाग निविदा के उपरांत कार्यादेश राशि के आधार पर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत राशि को स्वयं ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। अतः प्रक्रिया के दूसरे चरण में पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित करने की आवश्यकता नही रहेगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से विकास कार्यों में तेजी आएगी और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करवाने का राज्य सरकार का संकल्प धरातल पर साकार हो सकेगा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को बदलने की चर्चा जोरों पर!

-हालांकि भाजपा में ऐसा कुछ नहीं लग रहा है कि मुख्यमंत्री को बदलना पड़े

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश की राजनीति में एक चर्चा जोरों पर है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री जल्दी बदला जाएगा। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री बनाने के लिए नये नाम की लिस्ट भी आ गई है। यह ज्यादातर नाम भाजपा पार्टी के नेताओं के ही हैं। प्रदेश का पूरा विपक्ष मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बदलने की चर्चाओं को और आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। सांसद हनुमान बेनीवाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो मुख्यमंत्री भजनलाल और उनकी सरकार पर हमेशा ही हमलावर रहते हैं। दूसरी तरह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी सरकार पूरे विश्वास के साथ चला रहे हैं और सरकारी निर्णय ले रहे हैं। उनके हाव-भाव से कहीं नहीं लगता है कि आलाकमान उनको बदल सकती है। प्रदेश भाजपा में कोई बड़ी गुटबाजी नहीं है और ना ही असंतोष दिखाई दे रहा है। भाजपा आलाकमान में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खिलाफ कोई नाराजगी भी नहीं दिखाई दे रही है। इसलिए कहा जा सकता है कि प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में सिर्फ मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा है। लेकिन लगता नहीं है कि प्रदेश को नया मुख्यमंत्री मिलेगा।

पीएम मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वैश्विक संस्थानों में सुधार की उठाई मांग

रियो-डी-जेनेरियो (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के रियो-डी-जेनेरियो में आयोजित 17वें BRICS शिखर सम्मेलन में 'शांति और सुरक्षा तथा वैश्विक शासन में सुधार' विषय पर संबोधन दिया।
उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ (विकासशील और दक्षिणी गोलार्ध के देश) की आवाज आज की दुनिया में पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और विश्व की प्रमुख संस्थाओं को विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए इन्हें उचित प्रतिनिधित्व देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने दो-टूक कहा कि ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मापदंडों का शिकार रहा है। जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी की पहुंच जैसे अहम मुद्दों पर इन देशों को अब तक सिर्फ प्रतीकात्मक समर्थन ही मिला है, जबकि वास्तविक जरूरतें पूरी नहीं हुई हैं। पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय आया है जब BRICS ने अपनी सदस्यता का विस्तार कर मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, ईरान, इथियोपिया और इंडोनेशिया जैसे देशों को शामिल किया है, जो ग्लोबल साउथ की आवाज को और मजबूत करने में मदद करेगा।

गांवों में रात्रि विश्राम करेंगे शिक्षा अधिकारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने पीईईओ (प्रधान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) और उससे ऊपर के सभी अधिकारियों को अब हर माह चार बार गांवों में रात्रि विश्राम करना अनिवार्य कर दिया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं, ताकि आदेशों की खानापूर्ति न हो और इसका वास्तविक असर जमीनी स्तर पर दिखे। निदेशक ने स्पष्ट किया है कि अधिकारी केवल उपस्थिति दिखाने के लिए नहीं, बल्कि रात्रि 6 बजे से सुबह 6 बजे तक गांव में ही रुकें। यह सुनिश्चित करने के लिए विभागीय पोर्टल पर रात्रि विश्राम की रिपोर्ट दर्ज करना अनिवार्य किया गया है।

रात्रि विश्राम के दौरान करने होंगे यह कार्य:
रात्रि विश्राम के दौरान अधिकारी केवल रुकेंगे नहीं, बल्कि उन्हें विद्यालय का निरीक्षण और शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा करनी होगी। स्टाफ से संवाद और समस्याओं की जानकारी ली जाएगी। विद्यालय भवन, पेयजल व अन्य आधारभूत सुविधाओं की जांच करेंगे। विद्यार्थियों की शिक्षा स्तर की जांच होगी। गांव के लोगों, अभिभावकों और बच्चों से फीडबैक लिया जाएगा।

रायपुर में खड़गे का हमला: मोदी नीतीश-नायडू की टांगों पर चल रहे, गरीबों को लूट रही सरकार

रायपुर/छत्तीसगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की टांगों पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो मोदी कभी नीतीश कुमार और नायडू की आलोचना करते थे, आज उन्हीं के सहारे केंद्र में सरकार बना रहे हैं। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता गरीब, मजदूर और किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और अगर जरूरत पड़ी तो मर-मिटने में भी पीछे नहीं हटेंगे। रायपुर में आयोजित 'किसान, जवान और संविधान' जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी दो टांगों से चल रहे हैं। मोदी की एक टांग आंध्र की टीडीपी है और दूसरी बिहार के नीतीश कुमार। इनमें से कोई भी हिली तो मोदी जी गिर जाएंगे। खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार भय और झूठ फैलाकर देश पर राज कर रही है। ये लोग हर जगह मिलकर गरीबों को लूटने और डराने का काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है, मर-मिटने को तैयार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में जो जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गईं, उन्हें भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। 67 नई शराब की दुकानें खोल दीं और नकली शराब बेचने का धंधा शुरू कर दिया। ये लोग सिर्फ कारोबार के नाम पर समाज को खोखला कर रहे हैं।

खड़गे बोले-संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करा RSS
खड़गे ने आरएसएस और भाजपा पर संविधान की मूल आत्मा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संघ के एक विचारक ने 'सोशलिज्म' और 'सेक्युलरिज्म' शब्दों को संविधान से हटाने की बात कही है। 1980 में आपने अपने ही संविधान में क्या लिखा था अब इन्हीं शब्दों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ये शब्द हटाकर तो देखिए, पूरा देश आपके खिलाफ खड़ा हो जाएगा। खड़गे ने कहा कि एक दिन भाजपा खुद अपने कामों पर शर्मिंदा होगी।

CM साय सिर्फ मोदी और शाह के इशारों पर उठते-बैठते हैं
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लेकर खड़गे ने कहा कि साय सिर्फ मोदी और शाह के इशारों पर उठते-बैठते हैं, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह सिर्फ साय का नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ का अपमान है।

सचिन पायलट बोले- दो बैसाखी पर चल रही सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी
सभा में मौजूद कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आज की सरकार दो बैसाखियों पर टिकी है। 2028 में फिर से वैसी ही लड़ाई लड़नी है जैसी 2018 में लड़ी थी। मैं आज की बारिश में भी यहां आए कार्यकर्ताओं को नमन करता हूं। यही कांग्रेस की असली ताकत है।

मोदी सरकार पर गरीबों को लूटने का आरोप
खड़गे ने अपने भाषण में केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि आज देश में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ रही है और गरीबों के हक को छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार सिर्फ उद्योगपतियों और अमीर लोगों को फायदा पहुंचाने में लगी है। उन्होंने कहा कि "हर जगह गरीबों को लूटा जा रहा है। गैस सिलेंडर, राशन, तेल, दूध हर चीज महंगी कर दी गई है। लेकिन मोदी सरकार को गरीबों की कोई फिक्र नही है।"

संविधान बचाने की अपील
खड़गे ने कहा कि कांग्रेस ने देश को संविधान दिया है और अब उसे बचाने की जिम्मेदारी भी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संविधान के खिलाफ फैसले लेकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। "जब चुनाव आता है, तो धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांट दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।"

नीतीश-नायडू पर तंज, मोदी पर हमला
कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "आज मोदी जी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की टांगों पर चल रहे हैं। मोदी जी ने नीतीश को क्या-क्या नहीं कहा था, लेकिन आज उन्हीं की गोद में बैठकर सरकार बना रहे हैं। यही उनका असली चेहरा है, जो सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।"

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दी 82 करोड़ रूपये लागत के 20 अटल पथों की मंजूरी

अब तक 574 करोड़ रूपये की लागत से 269 अटल प्रगति पथ स्वीकृत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के गांवों में बनने वाले 20 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति दी है।

उपमुख्यमंत्री ने 14 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 81.61 करोड़ रूपये की लागत से 49.10 किमी लम्बाई के अटल प्रगति पथों की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के तहत विधानसभा क्षेत्र नोखा में 11.29 करोड़ रूपये की लागत से 7 किमी लम्बाई के 3, लूणी में 13.50 करोड़ रूपये की लागत से 9 किमी के 3, खेतड़ी में 5.10 करोड़ रूपये की लागत से 3.70 किमी के 2, श्रीडूंगरगढ़ में 9 करोड़ रूपये की लागत से 6 किमी के 2, अनूपगढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 1.60 किमी के 1, लूणकरणसर में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, बैगू में 4.47 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, चित्तौड़गढ़ में 4.50 करोड़ की लागत से 3 किमी के 1, मनोहरथाना में 4.50 करोड़ की लागत से 2.90 किमी के 1, खानपुर में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मण्डावा में 4.50 करोड़ की लागत से 2.40 किमी के 1, मेड़ता में 4.50 करोड़ की लागत से 2.20 किमी के 1, राजसमंद में 3.15 करोड़ की लागत से 2 किमी के 1 तथा सिरोही में 3.60 करोड़ की लागत से 1.70 किमी के 1 अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जायेगा। गौरतलब है कि अब तक 574.11 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 700.12 किमी लम्बाई के 269 अटल प्रगति पथों की स्वीकृति उपमुख्यमंत्री द्वारा जारी की जा चुकी है।

कंगना का बाढ़ क्षेत्र में दौरा, बोलीं- फंड लाऊंगी तो कांग्रेस डकार जाएगी

हिमाचल प्रदेश/ मंडी। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट हिमाचल प्रदेश के मंडी में बाढ़ प्रभावित सराज इलाके में लोगों का हाल जानने पहुंचीं। इस दौरान एक नाराज महिला ने उनसे कहा, "अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या, 2 आदमी पकड़ो, फोटो खिंचाओ और चले जाओ, ऐसा नहीं चलेगा।" कंगना ने जवाब दिया कि उनके पास कोई राहत कोष या कैबिनेट नहीं है, सिर्फ उनके दो भाई साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्पेशल फंड लाने की कोशिश करेंगी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने आने वाले पैसों को डकारने का आरोप भी लगाया।
मंडी में पिछले एक हफ्ते में 16 जगह बादल फटने और बाढ़ की घटनाओं में 14 लोगों की मौत और 28 लोगों के लापता होने के बाद सांसद कंगना रनोट 6 जुलाई से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रही हैं। दौरे के दौरान सराज में लोगों से मिलने गई कंगना को नाराजगी का सामना करना पड़ा।

शहर में ताज़िए, जूलूस निकालकर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को किया याद

(शादाब अली)

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पुराने शहर में रविवार को मोहर्रम का पर्व गम और अकीदत के साथ मनाया गया। यह अवसर हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में दी गई शहादत को याद करने का दिन रहा। कर्बला का यह वाक्य इंसानियत, न्याय और सत्य के लिए बलिदान की मिसाल है, जिसे दुनियाभर में कर्बला की शहादत के रूप में याद किया जाता है। कार्यक्रम में मोहर्रम कमेटी के सदर अंसार अहमद, मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेत्री मेहनाज पटेल ने शिरकत की। अखाड़ा कमेटी सदर असरारुद्दीन पिंटू,असरार अहमद,कोतवाली थाना इंचार्ज हरलाल,शहर पुलिस चौकी इंचार्ज हरिलाल,सीटी बस अध्यक्ष अतीक अहमद,शाहरुख पार्षद,प्रदेश सचिव कांग्रेस सलमान रंगरेज, कलीम अहमद,सदस्य कदीर अंसारी, कलाम अंसारी और अन्य पदाधिकारियों का पारंपरिक साफा बांधकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर परंपरागत रूप से ताजिए का भव्य जुलूस निकाला गया, जिसमें भारी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस की शुरुआत शहर पुलिस चौकी से हुई, जो मुख्य बाजार, सिनेमा चौराहा, छीतर चौराहा से खंडार तिराहा होते हुए कर्बला मैदान तक पहुँचा। जुलूस के दौरान हजरत इमाम हुसैन के चाहने वालों ने "या हुसैन" की सदाओं के बीच मातम किया और हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद कर लोगों की आँखें नम कर दी। इस अवसर पर मिर्जा मोहल्ला, हम्माल मौहल्ला, बिसायती मौहल्ला, खरादी मौहल्ला, अंसारी मौहल्ला, गुजराती मौहल्ला, ठठेरा कुण्ड आदि मौहल्ले के लोगों द्वारा पारंपरिक अखाड़े का आयोजन कर नौजवानों ने लाठी, तलवार और शारीरिक करतबों से अपने बहादुरी और जज़्बे का सबूत दिया। कुछ अकीदतमंदों ने अपने शरीर पर लाख लगवाकर अकीदत और इमाम से मोहब्बत का इज़हार किया, जो इश्क़-ए-हुसैनी की इंतिहा को दर्शाता है। इस अवसर पर नौजवान युवाओं और बुजुर्गो ने शारीरिक कौशल और साहस का प्रदर्शन कर हेतरत अंगेज करतब दिखाये। इसके अतिरिक्त युवाओं द्वारा अलग-

अलग धुन पर ढोल बजाये जिसने लोगों को देर रात तक रूकने के लिए मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर इमाम हुसैन के चाहने वालों ने विभिन्न स्थानों पर छबील लगाकर लोगों को शरबत पिलाया। वहीं अंसारी मौहल्ला, मिर्जा मौहल्ला, गुजराती मौहल्ला, नीम चौकी, बिसायती खरादी आदि मौहल्लों हलीम बनाकर लोगों की दावत भी की गई।मोहर्रम कमेटी के सदर अंसार अहमद ने कहा कि मोहर्रम का जुलूस महज एक रस्म नहीं, बल्कि यह ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज बुलंद करने और हक की राह में जान कुर्बान करने का संदेश देता है, जैसा कि हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान में किया। इमाम हुसैन पैगम्बर हजरत मुहम्मद (स.अ.व.) के नवासे और हजरत अली व हज़रत फ़ातिमा जहरा के छोटे बेटे थे। उनकी जिंदगी सत्य, न्याय और बलिदान का प्रतीक है।

करबला का सफर:- जब यज़ीद की सेना ने मदीना में उनके लिए खतरा बढ़ाया, तो इमाम हुसैन अपने परिवार और साथियों के साथ मक्का चले गए। वहाँ से वे कूफ़ा (इराक) के आमंत्रण पर निकले, जहाँ के लोग उनका समर्थन करने का वादा कर चुके थे। लेकिन रास्ते में ही हालात बदल गए। कूफ़ा के लोग यज़ीद के डर से पीछे हट गए और इमाम हुसैन के काफिले को करबला के तपते रेगिस्तान में रोक दिया गया। जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सहित 72 साथी शामिल थे। जबकि यजीद की फौज में 30 हजार सिपाही थे जिन्होंने इमाम हुसैन के काफिले को पानी तक पहुँचने से भी रोक दिया और इमाम हुसैन व उनके सभी साथियों को बारी-बारी से शहीद कर दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण जूलूस के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

चौमू में बड़ी अकीदत और एहतराम के साथ निकला इमाम हुसैन का जुलूस

चौमू, (रॉयल पत्रिका)। चौमू में मुहर्रम की कत्ल की रात इमाम हुसैन की याद में बड़ी अकीदत और एहतराम के साथ जुलूस निकाला गया। शुक्रवार रात 10 बजे इमाम चौक से पठानों का मोहर्रम रवाना हुआ, जो दुर्गा पोल दरवाजे से होते हुए लक्ष्मी नाथ चौक, बावड़ी गेट तक पहुंचा। ढोल-ताशों की मातमी धुनों और या अली, या हुसैन की सदाओं से शहर गूंज उठा। जगह-जगह मरसिया पढ़े गए और कई अकीदतमंदों ने रोजा रखकर इमाम हुसैन की याद में छबीलें लगाईं तथा राहगीरों को शरबत पिलाया। जुलूस शहर के कई रास्तों से गुजरते हुए सुबह 5 बजे इमाम चौक लौटा। इसके बाद 6 मुहर्रम को सुबह 10 बजे पुनः इमाम चौक से रवाना होकर दुर्गा पोल, लक्ष्मी नाथ चौक, बावड़ी गेट होते हुए बस स्टैंड और नगर पालिका से गुजरता हुआ मोरीजा रोड स्थित करबला पर शाम 5:30 बजे सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हरमाड़ा एसएचओ उदयभान यादव, मुरलीपुरा एसएचओ वीरेंद्र कुरील, करनी विहार एसएचओ हवा सिंह, दौलतपुरा एसएचओ नंदलाल नेहरा मय जाप्ता मौजूद रहे। एडिशनल एसपी पश्चिम आलोक, एसीपी चौमू अशोक चौहान, एसएचओ प्रदीप शर्मा भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। जुलूस में इमाम हुसैन की याद में शहरभर के अकीदतमंद शामिल हुए। कमेटी के अध्यक्ष जफर मोहम्मद खान, गुलाम मोहम्मद, भीखन खान, वाशिम खान, अमजद खान, रियायत खान, शेफ अली, मिनाज खान, शमशाद खान, शहजाद खान, मुबारिक खान, शब्बीर खान, लियाकत अली सहित चौमू शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। जुलूस के दौरान अमन और भाईचारे का पैगाम देते हुए शांति व्यवस्था बनी रही

झालावाड़ जिले में या अली या हुसैन की मातमी धुनों के साथ निकले ताजिए

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। शहर सहित अकलेरा, भवानीमंडी डग,चोमेला,गंगधार खानपुर झालरापाटन में हजरत इमाम हुसैन की याद में ताजिये निकले गए, हुसैनी सोसाइटी के नायब सदर अलीम खान ने 6 जुलाई को बताया कि इस बार झालावाड़ शहर में 45 से अधिक ताजिये निकाले गए वही हैदरी अखाड़ा और हुसैन अखाड़े की ओर से छोटे-छोटे बच्चे बच्चियों सहित नौजवानों ने हैरतअंगेज अखाड़े के करतब दिखाएं शहर में जगह- जगह शरबत पिलाया गया और तबर्रुक तक्सीम किया चूड़ी वालों की मस्जिद में सभी रोज़े दारो के लिए इफ्तार का इंतजाम भी किया गया। पार्षद फारुख अहमद, नफीस शेख, असलम खान, रउफ़ मंसूरी की ओर से हुसैनी सोसाइटी के सदर राशिद अली का इस्तकबाल किया गया और हुसैनी सोसाइटी की ओर एसडीएम अभिषेक चारण, पुलिस उप अधीक्षक हर्षराज सिंह खरेड़ा, थानाधिकारी रामकेश मीणा का हुसैनी सोसाइटी की ओर से इस्तकबाल किया गया। इराक से लाई हुई चादर और मिट्टी कि अल्लाह की याद के इमामबाड़े पर जियारत कराई गई। पूरा शहर या हुसैन या हुसैन के नारों से गूंज उठा। बड़ा बाजार से 4 बजे ताजीये उठाए गए जो शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए शाम 7 बजे मल मोहल्ला पहुंचे। वहां से कर्बला के लिए रवाना हुए, जहां देर रात तक ताजियों को पुलिस प्रशासन की निगरानी में नदी पर ठंडा किया गया। ताजिया के जुलूस में अधिक भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। एसपी ऋचा तोमर सहित पुलिस के आला अधिकारी पूरे जुलूस की मॉनिटरिंग करते नजर आए। हुसैनी सोसाइटी के सदर सैयद राशिद अली, नायब सदर अलीम खान, आमिर खान, गुड् अजमेरी, जाहिद पठान, वसीम खान, आसिफ खान, आशु अब्बासी, नईम खान, अदनान मिर्जा, अमान सहित हुसैनी सोसाइटी के सदस्य ताजियों के जुलूस की और कर्बला की व्यवस्थाओं को संभालते नजर आए।

ग़ज़ल

रंगे-सियासत उखड़ा-उखड़ा।
नज़्मे-हुकूमत बिखरा-बिखरा।।

मद्धम-मद्धम चाँद-सितारे।
रात का चेहरा उतरा-उतरा।।

सूरज का वो क़हर बपा है।
हर कोई है सहमा-सहमा।।

सुलझी हुई है उसकी जुल्फ़ें।
अपना मुक़द्दर उलझा-उलझा।।

हिज्र में आँखें भीगी-भीगी।
इश्क़ का दरिया सूखा-सूखा।।

ख़त्म हुआ है चलो इलेक्शन।
नेताओं ने पल्ला झाड़ा।।

मैखाने पर उतरे पंछी।
रास न आये काशी-काबा।।

मेरे ही तो नक़्श मिलेंगे।
जंगल-जंगल सेहरा-सेहरा।।

जीवन की इस जंग को "अनवर"।
मर जाऊँगा लड़ता-लड़ता।।

शकूर अनवर, कोटा

सब कुछ ओ के चाहिए

आंख ने हमसे कहा अल्फाज़ मोटे चाहिए
उम्र चाहे कुछ भी हो इन्सान भोले चाहिए
दिलकी मानें याना मानें कुछ छिछोरे चाहिए
महफ़िलें गमगीन हों तब कुछ हंसोड़े चाहिए
दूर रह कर कभी दूरियां हाइल न थीं अब
सूनी आंखों में बसे जज़्बात रोने चाहिए
सोच में इन्सान गिरकर कहां तक जाएगा
शहर में लोगों को पग पग पे कोठे चाहिए
ज़िन्दगी बैचैन बेबस कायराना हो गयी
कोई कहता है इन्हें बस बम के गोले चाहिए
एक मतलब से जुड़ा दूसरे मतलब का दिल
ऐसी दुनिया में सबको सबकुछ ओके चाहिए

तख़लीक़ :- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बस स्टैंड से चोरी हुआ मोबाइल किया बरामद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सिंधीकैम्प पुलिस ने बस स्टैंड पर यात्री का मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक कोतवाली थाने का हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जोधपुर से आए ईश्वर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह बस स्टैंड पर सो रहा था, तभी उसका मोबाइल चोरी हो गया। इस पर सिंधीकैम्प थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस द्वारा थानाधिकारी श्याम सुंदर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कड़ी मेहनत कर आसूचना व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सलाउद्दीन उर्फ छोटा

भाई और आरिफ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से चोरी गया वीवो कंपनी का मोबाइल बरामद कर लिया गया है। आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है। इस दौरान पुलिस की गठित टीम में श्याम सुंदर उप निरीक्षक, थानाधिकारी सिंधीकैम्प, महेंद्र सिंह हैडकानि, सतवीर कानि, रविंद्र कुमार कानि, इस कार्यवाही में सतवीर कानि 9391 की विशेष भूमिका रही।

ईआरसीपी बांध के विरोध में 76 गांवों के ग्रामीण हुए एकजुट, विस्थापन पर जताई चिंता

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले के डूंगरी गांव में रविवार को महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें ईआरसीपी परियोजना के तहत प्रस्तावित बांध के विरोध में 76 गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्र हुए। इस दौरान सभा आयोजित कर ग्रामीणों ने अपने विचार व्यक्त किए और बांध बनने से होने वाले संभावित नुकसान पर चिंता जताई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार मलारना डूंगर तहसील के डूंगरी गांव में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) के तहत बांध बनाने की योजना बना रही है, जिससे 76 गांव बांध के बहाव क्षेत्र में आ जाएंगे और उनका विस्थापन होगा। इससे इन गांवों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी जुड़ी यादें और विरासत खत्म हो जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि विस्थापन के कारण उनकी ग्राम पंचायतें समाप्त हो जाएंगी और राजस्व गांव खत्म हो जाएंगे। वहीं, ग्रामीणों के मकान और खेती की जमीन भी डूब क्षेत्र में आ जाएगी, जिससे उनका जीवन प्रभावित होगा। ग्रामीणों ने महापंचायत में सरकार से मांग की कि डूंगरी गांव में बनने वाला यह बांध किसी अन्य स्थान पर बनाया जाए, ताकि गांवों का अस्तित्व बचा रहे और लोगों को बेवजह विस्थापन का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने उनकी मांग नहीं मानी तो आने वाले समय में वे उग्र आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार को उनकी आवाज सुननी चाहिए और उनके भविष्य और जमीनों को सुरक्षित रखने के लिए निर्णय लेना चाहिए, ताकि उनके गांव और उनकी पहचान कायम रह सके।

दावते इस्लामी इंडिया वेलफेयर के द्वारा पेड़ पौधे लगाए गए

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर दावते इस्लामी इंडिया के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलिफ फाउंडेशन द्वारा पौधा लगाना है दरख्त बनाना हैं मुहिम के तहत आज गौरी कॉलोनी में पौधे लगाये गये। संस्था के शैख असलम अत्तारी ने बताया कि हमने यह इरादा किया हैं कि पौधे लगाने है और अपने मुल्क को हरा भरा बनाना हैं आप सब भी वृक्षारोपण मुहिम में साथ दिजिए और अपने अपने घर खेत फार्म हाउस में जहा मुमकिम हो पौधे लगाये। इस मौके पर संस्था के राजस्थान प्रभारी मुफ्ती मुस्ताक अत्तारी, मदनी मरकज के इमाम सुलेमान शाह, रमजान अत्तारी, हुसेन मुहम्मद, मुस्ताक, सलीम आदि ने पेड़ पौधे लगाए और पर्यावरण के लिए बेहतरीन संदेश दिया।

सुकेत में मोहर्रम के अवसर पर कांग्रेस जनों एवं बुजुर्गों का सम्मान किया

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। कस्बा सुकेत में 10 तारीख मोहर्रम जुलूस बड़े ढोल नगाड़ों के साथ निकल एवं जुलूस के साथ करतब भी दिखाए गए। इसी दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष अब्दुल रऊफ सर एवं इस्लाम भाई आसपास इलाके से आए सभी कांग्रेस जन एवं बुजुर्गों को साफा बांधकर माला पहनकर स्वागत किया गया। मोहर्रम का जुलूस जामा मस्जिद से होकर जुल्मी रोड से लंका तराई होकर आऊ नदी पर ताजा ठंडे किए गए। इस दौरान ढाई बजे से ही कस्बे की लाइट बंद करवा दी गई थी, रात को 9:00 बजे लाइट चालू की गई। जुलुस शांतिपूर्वक निकाले गए एवं पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग रहा जो काबिले तारीफ है।

प्रदेश में ईएनटी सेवाएं मजबूत होंगी, संभागीय व जिला स्तर पर सुविधाएं बढ़ेंगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में ईएनटी चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाया जाएगा। संभागीय एवं जिला स्तर पर ईएनटी सेवाओं को मजबूत कर सवाई मानसिंह अस्पताल पर भार कम किया जाएगा। इसके लिए ईनएटी चिकित्सा सेवा में मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने के साथ ही जांच एवं उपचार के लिए आवश्यक मशीनों का भी समुचित प्रबंधन किया जाएगा। सवाई मानसिंह अस्पताल के विभिन्न विभागों की समीक्षा की कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार की अध्यक्षता में राज्य के मेडिकल कॉलेजों में ईएनटी विभाग की स्थिति और सेवाओं की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के मेडिकल कॉलेजों में कॉकलियर इम्प्लांट ऑपरेशन एवं योजनाओं में आ रही कठिनाइयों, ऑडियोमेट्री टेस्टिंग सुविधाओं की कमी, उपचार के लिए लंबी वेटिंग लिस्ट और प्रशिक्षित ऑडियोलॉजिस्ट व स्पीच थैरेपिस्ट की उपलब्धता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

मशीनों की खरीद एवं भर्ती प्रक्रियाधीन—

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि एसएमएस अस्पताल पर अत्यधिक भार के चलते कई बार मरीजों को ईएनटी से संबंधित उपचार के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसे देखते हुए सभी संभागीय मुख्यालयों पर इन सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा और प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। वहीं ऐसे मेडिकल कॉलेज जहां ईएनटी से संबंधित उपचार की मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन मानव संसाधन की कमी के कारण उपयोग में नहीं आ रही हैं या जहां मानव संसाधन उपलब्ध है, लेकिन मशीनों की कमी है। वहां इन कमियों को दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनएचएम और निदेशालय स्तर पर मशीनों की खरीद व नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है। लगभग 48-50 ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थैरेपिस्ट की भर्ती की जा रही है, ताकि राष्ट्रीय बधिरता उन्मूलन कार्यक्रम को हर जिले में लागू किया जा सके।

कॉलेज स्तर पर ही बनेंगी रेफरल कमेटियां—

शासन सचिव ने निर्देश दिए कि एसएमएस अस्पताल में अनावश्यक रेफरल कम करने हेतु हर मेडिकल कॉलेज स्तर पर ही जांच और प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। साथ ही, मरीजों को अनावश्यक दौड़-भाग से बचाने के लिए कॉलेज स्तर पर ही रेफरल कमेटियों का गठन किया जाएगा, जो कॉकलियर इम्प्लांट की पात्रता निर्धारित करेंगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि कुछ विशेष मामलों में, जहाँ मरीजों को बार-बार विभिन्न अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, उस व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक मेडिकल कॉलेज स्तर पर एक स्थायी समिति गठित की जाएगी, जो यह निर्णय ले कि कौनसे मरीज कॉक्लियर इम्प्लांट हेतु उपयुक्त हैं। यह समिति पूरी तरह से उत्तरदायी होगी और किसी भी अनावश्यक रेफरल से बचा जा सकेगा। रेफरल सिस्टम को पारदर्शी और सरल बनाया जाएगा। साथ ही, सभी मामलों का नियमित ऑडिट भी सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि मरीजों को समय पर और प्रभावी उपचार मिल सके।

संभाग स्तर के मेडिकल कॉलेज अन्य मेडिकल कॉलेजों को देंगे प्रशिक्षण—

शासन सचिव ने कहा कि कॉक्लियर इम्प्लांट जैसे उन्नत उपचार सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर स्थित संभागीय मेडिकल कॉलेज अपने अधीनस्थ जिलों के मेडिकल कॉलेजों के ईएनटी विशेषज्ञों को पर्याप्त प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान करें, ताकि वहां भी कॉक्लियर इम्प्लांट जैसी उन्नत सेवाओं की शुरुआत हो सके। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि श्रवण बाधितता और अन्य ईएनटी से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए राज्य में मजबूत और सुलभ सेवाएं विकसित करना ज़रूरी है। बैठक में जिन विषयों पर सहमति बनी है उन्हें शीघ्र लागू किया जाए। ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंहल ने सुझाव दिया कि गरीब मरीजों को कॉकलियर इम्प्लांट के साथ आवश्यक बैटरी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी निःशुल्क या रियायती दर पर उपलब्ध कराई जा सकती हैं। संभागीय स्तर के मेडिकल कॉलेज अपने अधीनस्थ कॉलेजों के ईएनटी विशेषज्ञों को पर्याप्त प्रशिक्षण दें ताकि प्रदेश के दूरस्थ जिलों तक यह सुविधा पहुंचे। बैठक में अतिरिक्त निदेशक (एचए), अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) राज-एमईएस, उप निदेशक (एचए), सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के ईएनटी विभागाध्यक्ष और राष्ट्रीय बधिरता कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

शेरसिंह कुमावत को मिला प्रदेश महामन्त्री का दायित्व

जयपुर/चौमू, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ज़िले के गोविन्दगढ़ में 'राष्ट्रार्पण- स्वर्णिम, सशक्त व सनातन राष्ट्र को गति' अभियान के राष्ट्रीय संयोजक राज किशोर और राष्ट्रीय संरक्षिका पूज्य श्री विभूषित महामण्डलेश्वर माँ श्री योग योगेश्वरी यति जी महाराज का आगमन हुआ। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ज़िले के कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रीय संयोजक राज किशोर ने बताया की यह अभियान स्वाभिमान युग न्यास द्वारा संचालित है, जो संघ प्रेरित है और पूर्णतः राष्ट्रवाद तथा सनातन विचारों, व्यक्तियों व सरकारों को समर्पित है। यह एक देशव्यापी अभियान है, जिसने देश के कई राज्यों में अपना संगठन विस्तार किया है।

राजस्थान राज्य में इस अभियान को गति प्रदान करने और संगठन विस्तार हेतु सर्वसम्मति से गोविंदगढ निवासी गौभक्त शेरसिंह कुमावत को प्रदेश महामंत्री की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंपी गई। राष्ट्रीय संयोजक और राष्ट्रीय संरक्षिका ने शेरसिंह कुमावत को सम्मानित करते हुए उन्हें नियुक्ति व सम्मान पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर शेरसिंह कुमावत ने अभियान में मिली ज़िम्मेदारी का पूर्ण मनोयोग से निर्वाह करने का संकल्प लिया और जल्द ही ज़िले में एक भव्य आयोजन के माध्यम से अभियान का शंखनाद करने का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय संयोजक व राष्ट्रीय संरक्षिका जी ने बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित कार्यकर्ताओं को अभियान की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। बैठक में शेरसिंह कुमावत, विजय जाखड, लोकेश डेनवाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा एम. डी. रोड सैटेलाइट अस्पताल, मरीज हो रहे दूर

-अतिक्रमण के कारण सभी सुविधा-सम्पन्न इस सैटेलाइट अस्पताल का फायदा स्थानीय मरीजों को नहीं मिल पा रहा है।

जासिर पठान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)।मोती डूंगरी रोड स्थित सैटेलाइट चिकित्साल्य जहाँ पर ओपीडी एवं आईपीडी की तमाम सुविधाएं, स्टाफ और दवाइयाँ की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन अस्पताल परिसर में एवं बाहर हो रहे अतिक्रमण से लोगो का यहाँ आना कम हो गया है। यह चिकित्सालय एमडी रोड पर मुस्लिम मुसाफिरखाने के बराबर बना हुआ जो की एक सैटेलाइट हॉस्पिटल है। इस अस्पताल में 150 बैड, 52 तरह की जाँच, 24 घंटें भर्ती होने की सुविधा, चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ आम जनता के लिए सरकार की तरफ़ से उपलब्ध हैं। लेकिन इन तमाम सुविधाओं के बावजूद यहाँ पर मरीज़ कम आ रहे हैं। इसकी एक वजह है कि लोगों में जागरूकता की कमी एवं दूसरी बड़ी वजह है अतिक्रमण। अस्पताल परिसर में अंदर कुछ परिवार अवैध तरीक़े से झुग्गी झोपड़ियों में रह रहे हैं। अस्पताल के बाहर फुटपाथ भी अतिक्रमण की वजह से छुप गया है जो की बाहर से देखने में अस्पताल लगता नहीं। स्थानीय कुछ लोगों ने यह अतिक्रमण कर रखा है। कुछ स्थानीय लोग भी अस्पाताल परिसर में कार पार्किंग करते हैं और मनमानी करते हैं। अस्पताल में कोई गार्ड भी नहीं जिससे यहाँ व्यवस्था बनाये रखना अस्पताल प्रशासन के लिए मुश्किल होता है। अतिक्रमण की वजह से लोगों का अब इस सैटेलाइट अस्पताल में आना कम हो गया है। अस्पताल प्रशासन की कई बार की गई शिकायतों के बावजूद अतिक्रमण नहीं हट सका। बताया जा रहा है कि कुछ स्थानीय लोग भी इस अतिक्रमण का समर्थन करते नज़र आ रहे हैं। लेकिन क्या कुछ लोगों के अवैध अतिक्रमण से बड़ी संख्या में मरीज़ो एवं अस्पताल प्रशासन को हो रही दिक्कतों को नगर निगम को अनदेखा नहीं करना चाहिए?

अंधा प्रशासन चौपट मोती डूंगरी रोड सैटलाइट हॉस्पिटल

राज्य सरकार, चिकित्सा विभाग, अस्पताल स्टाफ, नगर निगम ग्रेटर प्रशासन सब अंधे बने हुए हैं। नगर निगम ग्रेटर और नगर निगम हेरिटेज की अतिक्रमण हटाओ शाखा मीडिया में बढ़ चढ़कर समाचार प्रकाशित करवाती है कि उन्होंने आज यहां वहां अतिक्रमण हटाया और सामान जप्त किया। लेकिन एम. डी. रोड स्थित सैटेलाइट अस्पताल के सामने और अंदर अतिक्रमण नगर निगम को दिखाई नहीं दे रहा है। अस्पताल के चीफ डॉक्टर ने बताया कि हमने कई बार शिकायत की है। लेकिन प्रशासन सुनवाई नहीं कर रहा है। वैसे तो भजनलाल सरकार संवेदनशील होने का दावा करती है, लेकिन एम. डी. रोड स्थित सैटेलाइट हॉस्पिटल के सामने और अंदर अतिक्रमण हटाने में नाकाम नजर आ रही है। नगर निगम ग्रेटर प्रशासन भजनलाल सरकार को बदनाम कर रहा है। इसी तरह यहां के स्थानीय लोग भी डर के साए में जी रहे हैं। अतिक्रमणियों का डर है उनमें, इसलिए विधायक रफीक खान के प्रयासों से सैटेलाइट का दर्जा प्राप्त इस हॉस्पिटल का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। एम. डी. रोड सैटेलाइट हॉस्पिटल से अतिक्रमण हट जाए तो निश्चित रूप से हजारों स्थानीय बीमार लोगों को सुविधा मिल सकती है।यह अस्पताल मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र मे आता है, जहां से कालीचरण सर्राफ भाजपा से विधायक हैं।

मुहर्रम के जुलूस में ताजियों को बांटे स्मृति चिह्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रविवार को घाटगेट बाजार स्थित नवाब का चौराहा पर मुहर्रम के जुलूस में हर वर्ष की तरह इस बार भी जयपुर नगर निगम के वार्ड 83 से पार्षद प्रत्याशी रहे शाहनवाज़ लाला की ओर से छोटे-बड़े सभी ताजियों और मातम करने वालों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। जुलूस में शामिल सजावट किए गए हाथियों को भी उनकी खूबसूरती और सजावट के लिए स्मृति चिह्न देकर हौसला अफज़ाई की गई। इस मौके पर अखाड़ा लड़ने वाली दो बहादुर लड़कियों का भी सम्मान कर उनके हुनर की सराहना की गई। कार्यक्रम में रामगंज थाना इंचार्ज का भी फूलों की माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान पार्षद उमर दराज़, शफीक कुरैशी, सलीम हाथी वाले एवं गुलाम मुस्तफा सहित कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और ताजियों व मातम के साथ आने वाले जिम्मेदारों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जुलूस में अमन और भाईचारे का पैगाम देते हुए शाहनवाज़ लाला ने कहा कि मुहर्रम हमें सब्र और इंसाफ का सबक देता है, और शहर में हर साल की तरह इस साल भी मुहर्रम का जुलूस अमन और इत्तेहाद के साथ निकाला गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को जोड़ी में आएंगे

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को चूरू की ग्राम पंचायत जोड़ी आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार, 08 जुलाई को दोपहर 12 बजे जयपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर दोपहर 01 बजे चूरू की जोड़ी ग्राम पंचायत स्थित हेलीपैड पहुंचेंगे तथा दोपहर 01.10 बजे कार्यक्रम स्थल पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित शिविर का अवलोकन करेंगे। इसके बाद दोपहर 2.20 बजे हेलीपेड से गुसांईसर बड़ा (श्री डूंगरगढ़), बीकानेर के लिए प्रस्थान करेंगे।

इमाम हुसैन की याद में मदरसा जामिया तैय्यबा में पौधारोपण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नाहरी का नाका स्थित मदरसा जामिया तैय्यबा के परिसर में 5 जुलाई 2025 को हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की याद में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर संस्था के जिम्मेदार हज़रत अब्दुल अलीम, निसार साहब, कारी मोहम्मद इस्हाक और जामिया तैय्यबा एजुकेशन सोसाइटी के तमाम जिम्मेदार लोग मौजूद रहे। पौधारोपण में मदरसे के बच्चे भी शरीक हुए और पौधों को लगाने में हिस्सा लिया। संस्था के जिम्मेदारों ने बताया कि यह पौधारोपण हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत की याद में रखा गया है ताकि उनकी कुर्बानी से सबक लेते हुए इंसानियत और पर्यावरण की हिफाज़त का पैग़ाम दिया जा सके। इस प्रोग्राम में अलग-अलग जगहों पर तक़रीबन 11 पौधे लगाए गए, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी मदरसा और सोसाइटी के जिम्मेदारों ने ली। कार्यक्रम में सभी ने दुआ की कि ये पौधे हरे-भरे रहें और पर्यावरण को महफ़ूज़ रखने में मददगार साबित हों।

राज्यपाल का मोहर्रम पर संदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मोहर्रम (6 जुलाई) पर हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए साहस के साथ न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने सभी से शांति और समरसता के मार्ग पर चल आदर्श स्थापित करने पर जोर दिया है।

महिलाओं से ज्वैलरी लूटने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधायकपुरी पुलिस ने बुजुर्ग महिलाओं को ऑटो में बैठाकर ज्वैलरी लूटने वाली अन्तर्राज्यीय गुजराती गैंग का पर्दाफाश कर मुख्य सरगना सहित दो शातिर बदमाशों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में गैंग का मुख्य सरगना गोविन्द राजकोटिया और उसका साथी अश्विन मीठापुरा शामिल हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए मुख्य सरगना ने वारदात के बाद अपना हुलिया बदलकर सिर मुंडवाया और मूंछें कटवा दी थी, लेकिन पुलिस ने दिल्ली के रघुवीर नगर कच्ची बस्ती में दबिश देकर इन्हें दबोच लिया। गैंग द्वारा वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी रेलवे स्टेशन की पार्किंग से बरामद कर लिया गया है। 1 जुलाई को वरिष्ठ नागरिक संगीता नंदवानी (66) निवासी शिप्रापथ और हेमलता वासवानी (56) ने विधायकपुरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 जून को अमरापुर मंदिर दर्शन के बाद घर लौटते समय ऑटो में सवार होकर कुछ दूरी पर पहुंचने पर तीन अज्ञात व्यक्तियों ने हाथ मारकर उनके हाथ से सोने के कंगन छीन लिए और फरार हो गए। इन घटनाओं पर विभिन्न धाराओ मे मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि घटना की कड़ी दिल्ली तक जुड़ रही है। अपराध के खुलासे के लिए थानाधिकारी विधायकपुरी बनवारीलाल, उप निरीक्षक जितेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक हरी सिंह, हैड कांस्टेबल झाबरमल, कांस्टेबल राजकुमार और अनुज कुमार की टीम गठित की गई। टीम ने दिल्ली के रघुवीर नगर कच्ची बस्ती में दबिश देकर मुख्य सरगना गोविन्द राजकोटिया और उसके साथी अश्विन मीठापुरा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। मुख्य सरगना गोविन्द 2014 से जयपुर में रहकर वारदातों को अंजाम देता आ रहा था। गिरोह बुजुर्ग महिलाओं को ऑटो में बैठाकर पहले से बैठे साथियों के साथ कुछ दूरी पर ले जाकर हवा कम होने का बहाना बनाता और अपने साथी को पीछे भेजकर महिलाओं को घेरकर उनके आभूषण लूटता। वारदात के बाद कुछ दूरी पर उतार कर फरार हो जाता। ऑटो को पार्किंग में छोड़कर बस या ट्रेन से दिल्ली भाग जाते और कुछ दिनों बाद वापस लौटकर वारदात को दोहराते। इस पूरी कार्यवाही में हैड कांस्टेबल झाबरमल और कांस्टेबल अनुज कुमार की विशेष भूमिका रही।

जयपुर में अपहरण की वारदात का 12 घंटे में किया पर्दाफाश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना विधाधर नगर ने संगीन अपहरण की वारदात का 12 घंटे में खुलासा करते हुए अपहृत व्यक्ति को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त करवाया। पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है और एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत मे लिया गया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बोलेरो कैम्पर वाहन भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार थाना विधाधर नगर पर 3 जुलाई 2025 को परिवादी ने रिपोर्ट दी कि उसका भांजा, जो जयपुर में किराए पर रहकर एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करता है, का 2 जुलाई की रात 10.30 बजे के आसपास अपहरण कर लिया गया है। फोन पर अपहृत ने बताया कि आशीष, नितिन गजराज और उनके 5-6 साथियों ने सनमुन टावर के सामने से जबरदस्ती दो गाड़ियों में बैठाकर उसका अपहरण किया है, उसे इधर-उधर घुमाकर मारपीट की जा रही है और रुपयों की मांग की जा रही है। फिरौती के रूप में 2 लाख रुपये की मांग की गई और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इस पर प्रकरण दर्ज कर थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गईं। घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। अपहृत के फोन की तकनीकी लोकेशन के आधार पर तलाश की गई, जिसकी लोकेशन जयपुर ग्रामीण के जंगल क्षेत्र में मिली। पुलिस टीम ने वहां जाकर अपहृत की तलाश की तो अपहरणकर्ता बोलेरो कैम्पर में बैठाकर गांवों से भागने लगे। करीब 30 किलोमीटर तक पीछा कर घेराबंदी कर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। आरोपी गाड़ी छोड़कर भागने लगे, जिन्हें पुलिस ने 4-5 किलोमीटर तक दौड़कर पकड़ा। आरोपियों ने पीड़ित से रुपये ऐंठने के उद्देश्य से अपहरण किया। पीड़ित अपने दोस्त के साथ आरोपी पक्ष से बातचीत करने गया था, जहां दोस्त आशंका होने पर भाग गया और आरोपियों ने पीड़ित को जबरदस्ती उठा लिया। फोन पर परिजनों से 8 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई और धमकी दी गई कि रुपये नहीं देने पर जान से मार देंगे। तकनीकी सहायता और पुलिस टीम की सजगता से इस संगीन वारदात का 12 घंटे में खुलासा किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियो में विक्रम यादव पुत्र मालीराम यादव, निवासी जयपुर, सुरेश कुमार पुत्र रामेश्वर, जयपुर, मोनू जांगिड़ पुत्र सत्यनारायण जांगिड़, जयपुर एवं एक नाबालिग को भी हिरासत मे लिया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी और अपहृत की सकुशल दस्तयाबी में थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के निर्देशन में अशोक कुमार, मनोज कुमार और महेश कुमार की उत्कृष्ट और विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर बालकृष्ण गोयल ने जयपुर में विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर बालकृष्ण गोयल ने शुक्रवार को जयपुर जिले के गांधीनगर में स्थित शिशु गृह और बालिका गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड संधारण में खामियां पाई गईं। इस पर अधीक्षक को निर्देश दिए गए कि संबंधित कर्मचारी से रिकॉर्ड को सही तरीके से पूरा करवाया जाए और आयोग को इसकी जानकारी दी जाए। इसके बाद गोयल ने घाट गेट स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मुकुल कविया को दो दिन तक विद्यालय में उपस्थित रहकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। श्री गोयल ने बच्चों से बातचीत करते हुए उन्हें प्रेरणा और लक्ष्य से जुड़ी बातें बताईं। साथ ही उन्हें गुड टच और बेड टच की जानकारी भी दी। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जिले के सभी विद्यालयों और बच्चों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अलावा विद्यालय की गरिमा पेटी को स्कूल की बाहरी दीवार पर लगाने के निर्देश भी दिए गए। गोयल ने संजय बाजार स्थित आंगनबाड़ी केंद्र रैगरों की कोठी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए गए कि बच्चों की संख्या बढ़ाई जाए और गर्भवती महिलाओं को समय पर पोषाहार दिया जाए। इसके बाद उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित जामडोली वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया, जहां की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। श्री गोयल ने सुझाव दिया कि प्रशासन को ऐसी संस्थाओं को जिला स्तर पर सम्मानित कर प्रोत्साहित करना चाहिए। निरीक्षण के अंत में केंद्रीय कारागृह का भी दौरा किया गया जहां भोजन और चिकित्सा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उन्होंने नवाचारों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया और बंदियों एवं कारागृह कर्मचारियों द्वारा व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।

गिव अप अभियान में 1.92 लाख अपात्रों ने खुद हटवाया नाम

- 31 अगस्त तक मौका

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति को स्वेच्छा से नाम हटवाने के लिए प्रेरित करने हेतु जयपुर जिले में 'गिव अप' अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत जयपुर जिले में सर्वाधिक 1 लाख 92 हजार 272 अपात्र व्यक्तियों ने गिव अप किया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं जिले में गिव अप अभियान के क्रियान्वयन एवं प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। गिव अप अभियान के तहत अपात्रों के गिव अप करने के मामले में राज्य के 41 जिलों में जयपुर ने प्रथम स्थान पर है। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जयपुर में जिला मुख्यालय से ग्राम पंचायत स्तर तक मुहिम के तहत गिव अभियान का संचालन किया जा रहा है। रात्रि चौपाल, जन सुनवाई, ग्राम सभा सहित समस्त सार्वजनिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित समाज मौजिज लोगों द्वारा सर्व साधारण को गिव अप के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यही कारण है कि गिव अप अभियान को जयपुर जिले में आमजन का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित हो रही नियमित रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई कार्यक्रमों में जिला प्रशासन द्वारा प्रोत्साहित किये जाने पर आमजन गिव अप के लिए आगे आ रहे है। त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ कार्यालय द्वारा सख्ती बरती जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर में योजना के 1 हजार 536 अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने गिव अप अभियान को आगामी 31 अगस्त, 2025 तक संचालित करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि 31 अगस्त 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी। उसके पश्चात शास्ति की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उप व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जाएगी। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्मिकों की सूचियां तैयार की जा रही हैं एवं ऐसे कार्मिकों के संबंधित विभागों को वसूली की राशि कार्मिक के मासिक वेतन से कटौती करने हेतु लिखा जावेगा। उन्होंने बताया कि गिव अप अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्ध सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी या अधिकारी हो अथवा 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो अथवा जिसके सभी सदस्यों की कुल आय 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक हो या निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता हो सम्मिलित है, को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने हेतु आवेदन करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अब तक हजारों परिवारों द्वारा गिव अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है।

लूनियावास में नि:शुल्क सेवा शिविर 15 जुलाई को

-आधार और बैंकिंग सेवाएं एक ही स्थान पर

जयपुर,(रॉयल पत्रिका) आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 15 जुलाई 2025 को लूनियावास, सद्भावना नगर स्थित होटल ताहा में एक निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इसका संचालन सोहेल खान के व्यवस्थापन में किया जा रहा है, जबकि तकनीकी सहयोग रेस कम्प्यूटर्स, द्वारा प्रदान किया जाएगा। शिविर में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड बनाए जाएंगे, साथ ही आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट कराने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में नया खाता खुलवाने, पुराने खातों की केवाईसी अपडेट करवाने और पहचान पत्र बनवाने एवं उसमें पता सही करवाने जैसी सेवाएं भी नागरिकों को दी जाएंगी।आयोजक सोहेल खान ने बताया कि यह शिविर पूरी तरह निःशुल्क है और इसका उद्देश्य लोगों को जरूरी दस्तावेजों से संबंधित कार्यों में सहायता पहुंचाना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाएं।

रामगंज बाजार में जर्जर हवेली गिरी, बड़ा हादसा टला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रामगंज बाजार स्थित फूटा खुर्रा के नमदगरान इलाके में मंगलवार शाम करीब 5 बजे एक बड़ा हादसा टल गया। यहां एक जर्जर हवेली का आधा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कुछ युवक हवेली के बाहर बैठे थे, जो मलबा गिरने से कुछ ही सेकंड पहले दौड़कर वहां से निकल गए और उनकी जान बच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हवेली की हालत काफी समय से खस्ता थी। इसकी जानकारी मकान मालिक को पहले ही दे दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। नगर निगम की ओर से इलाके की चारदिवारी में स्थित कई जर्जर मकानों और पुरानी हवेलियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन समय रहते इन पर कार्रवाई नहीं की जा रही।

कब्रिस्तान में जादू-टोना की आशंका, कब्र से छेड़छाड़ पर हड़कंप

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर स्थित नाहरी का नाका कब्रिस्तान में जादू-टोना और तंत्र विद्या की आशंका से इलाके में सनसनी फैल गई। यहां कुछ अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा एक कब्र के साथ छेड़छाड़ की गई है, जिसके बाद क्षेत्र में दहशत और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कब्र को खोदकर उसमें रखे सामान को निकाला गया, जिससे आस्था को ठेस पहुंची है। कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष फिरोजुद्दीन ने इस मामले में शास्त्री नगर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ है और पुलिस को ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। स्थानीय लोगों और कमेटी सदस्यों ने वक्फ बोर्ड से निवेदन कर मांग की है कि कब्रिस्तान की सुरक्षा के लिए यहां सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं ताकि भविष्य में इस प्रकार की अप्रिय घटनाओं पर विराम लगाया जा सके। फिलहाल पुलिस इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और संदिग्ध गतिविधियों की तलाश में जुटी है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

इजराइल उत्तरी गाजा से सेना हटाएगा एवं हमास बंधकों को रिहा करेगा

ईरान के साथ युद्ध के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सुर बदल गए हैं। नेतन्याहू हमास को जड़ से समाप्त करने की बात करते थे और कहते थे कि इजराइली बंधकों को छुड़ाने और हमास को पूरी तरह समाप्त करने तक इजराइल फिलिस्तीन में कार्यवाही करता रहेगा। गाजा में इजरायली कार्यवाही के चलते अब तक एक लाख से ज्यादा बच्चों, महिलाओं और मर्दों की मौत हो चुकी है। लाखों गाजा वासी बेघर हो गए हैं और भूखे प्यासे शरणार्थी शिविरों एवं राहत शिविरों में रह रहे हैं। इजराइल ने अमानवीय कृत्य करते हुए बेघर एवं भूखे प्यासे लोगों को राहत सामग्री, खाद्य सामग्री एवं दवाईयां तक पहुंचाने में व्यवधान डाला। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को ईरान से युद्ध के बाद पहली बार एहसास हुआ कि बेघर होना भूखे प्यासे रहना और बिना दवाइयों के घायल रहना कितना पीड़ादायक होता है। क्योंकि जैसे इजराइल ने गाजा में लोगों के घरों को अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों को बम एवं मिसाइलों से उड़ाकर खण्डर बना दिया उसी तर्ज पर ईरान ने इजरायल के तेल अवीव, हाइफा सहित अन्य शहरों को मिसाइलों से उड़ाकर खण्डर बना दिया। इजराइलियों में ईरानी मिसाइलो की इतनी दहशत थी कि उनको पूरे सप्ताहभर भूमिगत बकरों में रातें गुजारनी पड़ी। इजराइल को अपने लोगों की पीड़ा देखकर एहसास हुआ कि वह गलती पर है। ईरान ने इजराइल के साथ वही किया जो इजराइल ने गाजा के साथ किया। यही कारण है कि इजराइल हमास के साथ स्थाई युद्ध विराम के लिए राजी हुआ है। वैसे भी 21 महीने के युद्ध ने इजराइल को खोखला कर दिया है। बिना अमेरिका के इजराइल पूरे 1 सप्ताह युद्ध नहीं लड़ सकता है। 21 महीने तक चले युद्ध से इजराइल के दुश्मनों में कोई भी कमी नहीं आई है। हुती एवं हिज्बुल्लाह अभी भी कह रहे हैं कि जब तक इजराइल हमास पर आक्रमण करता रहेगा तब तक वे भी इजराइल से युद्ध जारी रखेंगे। अमेरिका को इजराइल युद्ध के कारण बड़ा आर्थिक एवं राजनीतिक नुकसान हो रहा है। इजराइल युद्ध के कारण अमेरिका कंगाली के दहलीज पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को झुकना पड़ रहा है। इसलिए इजराइल हमास युद्ध जल्दी है सबके सामने होगा और गाजा में भूखे प्यासे लोगों को राहत मिलेगी। इजराइल हमास समझौता कराने में कतर और मिस्र का भी अहम योगदान है। समझौते के तहत हमास पहले आठ इजरायली बंधकों को छोड़ेगा और इजराइल उत्तरी गाजा से अपनी सेना हटाना शुरू करेगा। यह युद्ध विराम 60 दिन तक चलेगा और दोनों के बीच अमेरिका के मध्यस्तता में बातचीत जारी रहेगी। इसके बाद स्थाई युद्ध विराम समझौते का प्रस्ताव फाइनल किया जाएगा। यदि इजराइल हमास के साथ युद्ध विराम नहीं करता है तो उसे फिर से हमास, हुती और हिजबुल्ला के आक्रमण शुरू हो जाएंगे। ईरान पहले से ज्यादा ताकतवर बनकर उभरा है जो इजराइल को दबाव में लाने के लिए प्रयास करेगा।

कर्बला और ग़ज़ा: प्रतिरोध और पीड़ा की साझी कहानी

हज़रत हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) का अत्याचारी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह

-डॉ. मुहम्मद इक़बाल सिद्दीक़ी

680 ईस्वी में हज़रत हुसैन इब्ने अली (अल्लाह दोनों से राज़ी हो) की कर्बला में शहादत इस्लामी इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो अपने अन्दर मानवीयता, नैतिकता और राजनीति के गहरे अर्थ समेटे हुए है। यह दुखद घटना तब हुई जब हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) ने अन्याय और अत्याचार के आगे झुकने से इन्कार कर दिया, उनकी यह दृढ़ता आज भी मुसलमानों और न्याय चाहने वालों को प्रेरित करती है।

संघर्ष की बुनियाद

680 ईस्वी में अपने पिता मुआविया की मृत्यु के बाद उमवी ख़लीफ़ा बना। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) ने यज़ीद के हाथ पर बैत (वफ़ादारी की शपथ) से इन्कार कर दिया, क्योंकि वह इस्लाम के शूराई निज़ाम (परामर्श व्यवस्था) को दरकिनार कर ख़लीफ़ा बना था, यही नहीं, उसकी नैतिकता भी सवालों के घेरे में थी, उस पर उसके अत्याचारी शासन ने व्यापक रूप से जनता में असंतोष पैदा कर दिया था। पैग़म्बर मुहम्मद (उन पर शांति हो) के नवासे हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) ने यज़ीद के शासन को इस्लामी सिद्धांतों की अवहेलना मानकर ख़लीफ़ा पद की गरिमा को बचाने की कोशिश की। जब कूफ़ा के लोगों ने उनसे यज़ीद के ख़िलाफ़ विद्रोह का नेतृत्व करने का आह्वान किया तो हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) ने अपने परिवार और अनुयायियों के छोटे से समूह के साथ मदीना से प्रस्थान किया। लेकिन यज़ीद के डर से कूफ़ा वालों ने उनका साथ छोड़ दिया। यज़ीद की सेना ने उन्हें इराक़ स्थित कर्बला में घेर लिया, वे जंग की तैयारी से नहीं आए थे इसलिए उन्होंने यजीद के साथ बात-चीत की पेशकश की, लेकिन यजीद की सेना ने उन्हें जंग के लिए ललकारा और घेर लिया, यहाँ तक कि खाने और पानी तक से से वंचित कर दिया। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) और उनके साथियों ने उमवी सेना के ख़िलाफ़ बहादुरी से लड़ाई लड़ी। मुहर्रम की 10वीं तारीख़ (आशूरा), 680 ईस्वी को, वे प्यासे शहीद कर दिए गए, इस तरह हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) की शहादत, क़यामत तक के लिएअन्याय व अत्याचार के ख़िलाफ़ संघर्ष की एक मिसाल बन गई।

अन्याय के ख़िलाफ़ एक सार्वभौमिक आवाज़

कर्बला का दुखद वाक़िया मानवीय पीड़ा और साहस की बे-मिसाल दास्तान है। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) का छोटे से समूह ने, जिसमें परिवार के लोग, महिलाएं और बच्चे शामिल थे, भीषण घेराबंदी झेली, जहाँ उन्हें सूरज की तपती गर्मी में पानी तक नहीं पीने दिया गया। निश्चित मृत्यु के बावजूद उनका डटकर मुक़ाबला करना, मानवीय गरिमा की पवित्रता की रक्षा का सार्वभौमिक उदाहरण बन गया।

प्यासे बच्चों, शोक मनाते परिवारों और सिद्धांतों के लिए अपनी जान क़ुर्बान करने वाले नेता की तस्वीर देख कर कौन है जिसके दिल में करुणा न जागे? इस्लाम जैसी न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने पर जोर देता है, उसमें ऐसी क़ुर्बानियां मानवीय मूल्यों को मज़बूत करती हैं। इस्लाम के अनुसार उत्पीड़न के ख़िलाफ़ संघर्ष और कमज़ोरों की रक्षा हर मुसलमान का कर्तव्य है। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) की शहादत ने मुस्लिम समुदाय के नैतिक ढांचे की रक्षा की है, जिससे धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर आधुनिक सामाजिक न्याय के आंदोलनों को प्रेरणा मिलती है। कर्बला की पुकार आज संघर्ष के हर मैदान में गूंजती है—जहाँ लोग पानी, भोजन और सुरक्षा के अभाव में जान की बाज़ी लगा रहे हैं और पूरी मानवता से अन्याय और अत्याचार के ख़िलाफ़ एकजुटता और कार्रवाई की अपील करती है।

अत्याचार के ख़िलाफ़ नैतिक रुख

हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) का यज़ीद के शासन को स्वीकार करने से इन्कार ईश्वरीय मार्ग-दर्शन और तौहीद (एक ईश्वर की एकता) के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उनका रुख़ सांसारिक महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि अत्याचार का मुक़ाबला करने के नैतिक कर्तव्य से प्रेरित था, जो 'ताग़ूत'—ईश्वरीय क़ानून से बग़ावत—के ख़िलाफ़ था। इस्लामी विद्वानों का कहना है कि ईश्वर के प्रति वास्तविक समर्पण अन्याय के विरोध में निहित है, इसी लिए हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) ने अन्याय से समझौते के बजाय शहादत को प्राथमिकता दी। इस्लामी विद्वानों के अनुसार नैतिक नेतृत्व शरियत के अनुसार होता है, जो न्याय को अत्याचारी शासन पर प्राथमिकता देता हो। कर्बला में हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) का विद्रोह नैतिक पतन विरुद्ध था, जहां सत्ता ईश्वरीय सिद्धांतों से पथ भ्रष्ट होकर अत्याचारी शासन में बदल रही थी। क़ुरआन की आयत, "क्या वे अल्लाह के दीन(मार्ग) अलावा कोई और दीन चाहते हैं?" (5:50), ग़ैरक़ानूनी प्राधिकरण को ठुकराने के नैतिक कर्तव्य को रेखांकित करती है, जो हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) में साकार हुआ। उन्होंने लापरवाह विद्रोह के बजाए न्याय के लिए संतुलित रुख़ अपनाया, जो आंतरिक और बाहरी दोनों रूपों में जिहाद के सिद्धांत से मेल खाता है। इस्लाम में जिहाद फ़ीसबीलिल्लाह—अल्लाह के मार्ग में प्रयास—केवल सशस्त्र संघर्ष नहीं, बल्कि ईश्वरीय मार्ग-दर्शन के अनुसार न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने और उसकी रक्षा करने का व्यापक, अनुशासित प्रयास है। यह इस विश्वास पर आधारित है कि संप्रभुता केवल अल्लाह की है, और इसलिए उनके आदेशों के ख़िलाफ़ कोई भी व्यवस्था या प्राधिकरण वैध नहीं। यह प्रतिरोध व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, क़बीले की निष्ठा, या सांसारिक लाभ से प्रेरित नहीं होता, बल्कि भलाई को बढ़ावा देने और बुराई से रोकने, कमज़ोरों की रक्षा करने और अत्याचार का मुक़ाबला करने के नैतिक कर्तव्य से प्रेरित होता है। इस अर्थ में, जिहाद फ़ीसबीलिल्लाह एक नैतिक और आध्यात्मिक संघर्ष बन जाता है जो न्याय को बहाल करने, मानवीय गरिमा की रक्षा करने और समाज को मानवीय महत्वाकांक्षाओं के बजाए ईश्वरीय सिद्धांतों पर अडिग रखने के लिए किया जाता है।

प्रतिरोध का नक़्शा

हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) की शहादत ने यज़ीद की ख़िलाफ़त की वैधता को चुनौती दी, विशेष रूप से इसलिए कि अब ख़िलाफ़त का रुख़ राजतन्त्र की ओर मुड़ गया था जिसकी इस्लाम में ज़रा भी गुंजाइश नहीं है। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) द्वारा यज़ीद के शासन को अस्वीकार करने से नेतृत्व के नैतिक आधार पर भी सवाल उठा, क्योंकि इस्लाम लोगों द्वारा चुने हुए शासक और ईश्वरीय क़ानून पर आधारित शासन का प्रावधान करता है।

कर्बला में हुए नरसंहार ने उमवी शासन के ख़िलाफ़ विरोध को प्रेरणा दी और अत्याचार के ख़िलाफ़ हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) को एक मॉडल के रूप में स्थापित किया।

इस्लामी विद्वान ऐसे प्रतिरोध को जाहिलिया—अज्ञान—की प्रणालियों के ख़िलाफ़ संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिसमें मानवीय इच्छाओं को ईश्वरीय संप्रभुता पर प्राथमिकता दी जाती हो। अन्याय के ख़िलाफ़ होने वाले हर संघर्ष को हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) के विद्रोह से प्रेरणा मिलती है, क्योंकि यह ख़िलाफ़त की गरिमा को बहाल करने का क्रांतिकारी कार्य था। आज यह आधुनिक जाहिलिया के रूपों के ख़िलाफ़ उठ खड़े होने का आह्वान है, चाहे वह औपनिवेशिक सत्ता हो या तानाशाह शासन। कर्बला की घटना अत्याचारी शासन को चुनौती देने का राजनीतिक प्रतीक भी है।

कर्बला और ग़ज़ा: प्रतिरोध और पीड़ा की साझी कहानी

कर्बला के सबक़ ग़ज़ा में चल रहे नरसंहार में स्पष्ट रूप से प्रासंगिक हैं जो क कर्बला की पीड़ा का प्रतिबिम्ब है, जहां हज़ारों नागरिक हिंसा, विस्थापन और वंचना का सामना कर रहे हैं। हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) के शिविर की तरह, ग़ज़ावासी भी घेराबंदी झेल रहे हैं, जहां उन्हें पानी, भोजन और चिकित्सा सहायता से वंचित रखा जा रहा है। ग़ज़ा का संकट भी मानवीय सहानुभूति का हक़दार है, क्योंकि ग़ज़ा के बच्चों की चीख़ें कर्बला की याद दिलाती हैं। नैतिक रूप से, ग़ज़ा का नरसंहार यज़ीदी अत्याचार का आईना है और ग़ज़ावासियों की मज़लूमियत और नैतिक साहस, हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) और उनके साथियों के नैतिक साहस को प्रतिबिंबित करता है।

ग़ज़ा की त्रासदी ने बे-रहम वैश्विक प्रणालियों को बे-नक़ाब किया है जो भू-राजनीतिक स्वार्थों को मानव जीवन पर प्राथमिकता देती हैं। सभी चुप हैं, चाहे वे दुनिया भर में मानवाधिकार का झंडा उठाए फिरने वाले देश हों या अपने आप को इस्लाम के ठेकेदार समझने वाले देश हों।

इस्लाम ऐसे उत्पीड़न के ख़िलाफ़ सक्रिय प्रतिरोध का आदेश देता है, चाहे वह समर्थन, सहायता, जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से ही हो। क़ुरआनका आदेश है, "न्याय के लिए खड़े हो, चाहे वह तुम्हारे स्वयं के ख़िलाफ़ ही हो" (4:135), यह आयत मुसलमानों को ग़ज़ा का समर्थन करने के लिए दान, प्रार्थना और बेबस लोगों की आवाज़ बनने के लिए प्रेरित करती है। न्यायप्रिय लोगों के लिए दुनिया भर में, कर्बला का सन्देश धर्म से ऊपर उठ कर एक सार्वभौमिक संदेश है: उत्पीड़न का मुक़ाबला करो और मज़लूमों की मदद करो।

कर्बला का संदेश

मुसलमानों और सभी न्यायप्रिय लोगों के लिए कर्बला का संदेश केवल इतिहास का एक शोकमय अध्याय नहीं है; यह विवेक और साहस का सतत आह्वान है। मुसलमानों के लिए, हज़रत हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) की शहादत सत्य और न्याय की रक्षा और अत्याचार का प्रतिरोध करने के पवित्र कर्तव्य की जीवित गवाही है—चाहे उसके लिए कितनी ही बड़ी क़ीमत क्यों न चुकानी पड़े। कर्बला की सच्ची याद केवल रस्मों में नहीं, बल्कि आगे बढ़ कर ज़ुल्म का सामना करने में है: सत्य के साक्षी बनो ताकि ईश्वर तुम पर गवाह हो (2:143)। हमदान देकर उत्पीड़ितों की मदद कर सकते हैं, बेबस लोगों की आवाज़ उठा सकते हैं और ग़ज़ा के घिरे हुए लोगों के साथ मज़बूत एकजुटता दिखा सकते हैं। कर्बला का आह्वान समुदाय और समय से परे है, जो हर उस दिल से बात करता है जो अन्याय को स्वीकार करने से इन्कार करे। ग़ज़ा में हो रहा नरसंहार एक 'दूर का दुख' नहीं है; यह एक साझा मानवीय संकट है जो सामूहिक संकल्प की मांग करता है—मासूमों की रक्षा के लिए युद्ध विराम का समर्थन, पीड़ा में फंसे लोगों के लिए सहायता, और हिंसा करने वालों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना । दुआ है कि हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) का साहस हमें उदासीनता का प्रतिरोध करने के लिए प्रेरित करे; उनकी करुणा हमें पीड़ितों की परवाह करने के लिए प्रेरित करे; और उनकी दृढ़ निष्ठा हमारी न्याय के रास्ते में मार्ग-दर्शन करे।

हम कर्बला और ग़ज़ा की चीख़ों का जवाब सहानुभूति, कार्रवाई, और अडिग सत्यनिष्ठा के साथ देकर, अपनी साझी मानवता की पुष्टि करते हैं और हुसैन (अल्लाह उनसे राज़ी हो) के अन्याय और अत्याचार के ख़िलाफ़ दृढ़ रहने की अनन्त विरासत अपनाने का संकल्प लेते हैं

एक बच्चे की नसीहत

हजरत बहलोल र.अ. शहर बसरा की एक गली से गुजर रहे थे, आपने देखा कि बच्चे गली में अखरोट और बादाम से खेल रहे हैं। उन बच्चों से थोड़ी दूरी पर एक बच्चा बड़ी मायूसाना और अफसोस भरी नजरों से उन खेलते हुए बच्चों को देख रहा है। हजरत बहलोल र.अ. उस बच्चे के पास गए और बोले सब बच्चे तो खेल रहे हैं, क्या तुम्हारे पास अखरोट और बादाम नहीं हैं। चलो तुम मेरे साथ चलो मैं तुम्हें भी अखरोट और बादाम दिलवा देता हूं। फिर तुम भी इन बच्चों के साथ खेलना।

बच्चे ने हजरत बहलोल र.अ. को बड़ी मायूसाना नजरों से देखा और बोला- नहीं जनाब मैं इस पर कतई दुखी व मायूस नहीं हूं कि मेरे पास अखरोट और बादाम नहीं है। बल्कि मैं इस वजह से दुखी हूं कि यह बच्चे किस तरह से अल्लाह की दी हुई इस बेश बहा (कीमती) जिंदगी के वक्त को खेलकूद में बर्बाद कर रहे हैं। क्या यह इस वक्त अल्लाह की याद में नहीं गुजार सकते ? क्या अल्लाह ने हमको इस दुनिया में खेलकूद के दिए भेजा है? अल्लाह ने तो हमको अपनी इबादत और बंदगी के लिए भेजा है और इस जिंदगी के बाद हम सबको इस तरफ लौट कर जाना है।

हजरत बहलोल र.अ. बच्चे की इन नासिहाना/नसीहत वाली बातों को सुनकर बड़े खुश हुए और बोले ए साहबजादे तुमने यह दानाई और अकलमंदी की बातें कहां से सीखी। बच्चों ने जवाब दिया कि जनाब यह बातें मुझे मेरी मां ने सिखाई हैं। मेरी अम्मी घर में जब कुरआने पाक की तिलावत करती हैं तो हम बच्चों को पास बिठाती हैं और कुरआनी आयत का मफ़हूम (मायने) हम बच्चों को बताती हैं। मेरी अम्मी ने ही मुझे बताया है कि कुरआने पाक में है कि "क्या तुम ख्याल करते हो कि हमने तुम्हें बेकार पैदा किया है और यह कि तुम हमारी तरफ नहीं लौटाए जाओगे" और कुरआने पाक में यह भी है कि "हमने तमाम इंसानों और जिनों को अपनी इबादत के लिए पैदा किया है" अब आप ही बताइए कि जब हम को बेकार पैदा नहीं किया गया तो हम बेकार के कामों में अपना कीमती वक्त क्यों बर्बाद कर रहे हैं ! हमको तो अपना कीमती वक्त उसकी इबादत और याद में मशगूर रहकर क्या नहीं गुजारना चाहिए! इस छोटे बच्चे की यह आलीमाना और नासिहाना बातें सुनकर बहुत खुश हुए और उसको दुआएं दीं।

बच्चे की इन नासिहाना बातों से यह जाहिर होता है कि घर में मां ही अपने बच्चों की सही तरबियत करके उन्हें आला अखलाक, आला किरदार, दूसरे लोगों को बुराइयों से रोकने में बचाने वाला और गरीबों की मदद करने वाला और मोहब्बत करने वाला जैसे जज्बे बच्चों में पैदा कर सकती है। जिससे उसकी जिंदगी आगे चलकर कामयाबी का जीना साबित हो सकता है और बच्चा अपने दिन और दुनियां की हिफाजत कर सकता है।

यह किसी का कौल है कि "मां की गोद बच्चों की पहली दर्शगाह है"। अल्लाह तआला से बस यही दुआ है कि वह दुनियां की तमाम माओ को अपने बच्चों की तरबियत कुरआन व हदीस के मुताबिक करने की तौफीक और समझ अता फरमाए, ताकि उनके बच्चे दीन दुनियां दोनों में तरक्की कर आला मुकाम हासिल कर सके और अपने वालदेन का नाम रोशन कर सकें।

आमीन।

हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

पुण्यतिथि पर विशेष......

यूसुफ मेहर अली, राष्ट्रवादी आंदोलन के सक्रिय सदस्य

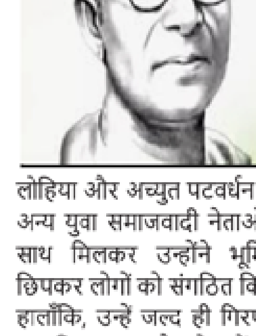

यूसुफ मेहर अली का जन्म 1903 में महाराष्ट्र के बॉम्बे (मुंबई)में एक संपन्न परिवार में हुआ था। बचपन में मेहर अली को क्रांतिकारी आंदोलनों पर किताबों में गहरी दिलचस्पी थी, जिसने बदले में राष्ट्रवादी आंदोलन के बारे में उनकी जिज्ञासा को बढ़ाया। उनके परदादा 19 वीं सदी के दौरान बॉम्बे में कपड़ा उद्योग के अग्रदूतों में से एक थे। उनके परिवार की समृद्ध पृष्ठभूमि और उनके द्वारा पले-बढ़े क्रांतिकारी विचारों ने उन्हें परिवार के भीतर एक विद्रोही और मजदूर वर्ग का हमदर्द बना दिया। अपने परिवार के विरोध के बावजूद, यूसुफ भारदा हाई स्कूल में अपनी पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हो गए। एलफिंस्टन कॉलेज से अर्थशास्त्र और इतिहास में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, उन्होंने बॉम्बे के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री हासिल की।

अंग्रेजों से "भारत छोड़ो" के लिए जोरदार तरीके से कहना भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की रणनीति और परंपरा में पिछले दशकों के संघर्ष से बदलाव था। इसी तरह, "साइमन गो बैक" एक और ऐसा नारा था जो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में जोर-शोर से गूंजा था। "भारत छोड़ो" और "साइमन गो बैक" जैसी बहादुरी भरी मांगों के पीछे स्वतंत्रता सेनानी और कांग्रेस सदस्य यूसुफ मेहर अली थे।

1928 में यूसुफ मेहरली द्वारा स्थापित एक संगठन बॉम्बे यूथ लीग ने शहर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए। कुलियों के वेश में, वे बंदरगाह में घुस गए और काले झंडों और "साइमन गो बैक" के नारे लगाते हुए आयोग का स्वागत किया। मेहर अली द्वारा गढ़ा गया यह नारा राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं द्वारा भी अपनाया गया था। अंग्रेजों ने मेहर!अली को गिरफ्तार कर लिया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, जिसमें उन्हें एक ड्रम में बंद करके सड़क पर घुमाया जाना भी शामिल था। पुलिस द्वारा बुरी तरह हमला किए जाने के बावजूद यूसुफ और उनके साथियों ने बहुत साहस दिखाया और शहर में उनके संघर्ष के समर्थन में हड़तालें हुईं। यहां तक कि गांधी जी ने भी उनके साहसी विरोध को सराहा। मेहर अली द्वारा "भारत छोड़ो" के नारे के साथ आए, जिसमें भारतीयों की विनम्र लेकिन दृढ़ मांग को उजागर किया गया। गांधी ने नारे को मंजूरी दी और यूसुफ मेहर अली ने आंदोलन से पहले भारत छोड़ो नामक अपनी पुस्तक प्रकाशित की।

8 अगस्त 1942 को मुंबई शहर के गोवालिया टैंक मैदान में अपने प्रसिद्ध भारत छोड़ो भाषण के बाद, महात्मा गांधी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूरे राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान अपने साहसी कार्य की तरह, यूसुफ मेहर अली ने शहर में अपने नेताओं की अनुपस्थिति में अभियान की कमान संभाली। अरुणा आसफ अली, राम मनोहर लोहिया और अच्युत पटवर्धन जैसे अन्य युवा समाजवादी नेताओं के साथ मिलकर उन्होंने भूमिगत छिपकर लोगों को संगठित किया। हालाँकि, उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में डाल दिया गया।

बिस्तर पर पड़े रहने के बावजूद यूसुफ मेहरअली ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया, जिसने अंततः 15 अगस्त 1947 को अपना गौरव प्राप्त किया, जब भारत को स्वतंत्रता मिली। वे 1946 में बॉम्बे विधान सभा के सदस्य चुने गए और बॉम्बे के सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र में बने रहे।

यूसुफ मेहर अली ने 2 जुलाई, 1950 को 47 वर्ष की आयु में दुनिया के सामने जीवन के लिए अपना संघर्ष छोड़ दिया। पूरा मुंबई शहर अपने बहादुर नेता और उनके महत्वपूर्ण योगदान के नुकसान के शोक में बंद रहा। भारत के विभिन्न भागों में उनके योगदान को स्मरण और प्रसारित करते हुए, यूसुफ मेहर अली सेंटर अपने नेता की विरासत को आज भी जीवित रखे हुए है।

मोहर्रम की दस तारीख की अहमियत

मोहर्रम की दस तारीख को यौमे आशूरा कहा जाता है। मोहर्रम हिजरी कैलेंडर का पहला महीना है। इसी महीने से नया हिजरी साल शुरू होता है। मोहर्रम की दस तारीख से इस्लामी तारीख की बहुत सी अहम घटनाएं जुड़ी हैं। इसीलिए इस महीने का मुसलमान बहुत आदर करते हैं।इस महीने की दस तारीख अर्थात यौमे आशूरा को पैगंबर हज़रत आदम अलैहिस्सलाम की तौबा कुबूल हुई थी। मोहर्रम की दस तारीख को ही हज़रत नूह अलैहिस्सलाम की कश्ती भयंकर तूफान में घिरने के बाद जूदी पहाड़ पर ठहरी थी। यौमे आशूरा को ही हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम को फिरऔन के जुल्म से निजात मिली थी। इसी दिन हज़रत अय्यूब अलैहिस्सलाम को लंबी बीमारी से निजात मिली थी। दस मोहर्रम को ही हज़रत यूनुस अलैहिस्सलाम मछली के पेट से बाहर निकले थे। आशूरे के दिन यानी 10 मुहर्रम को एक ऐसी घटना हुई थी, जिसका दुनिया की तारीख में महत्वपूर्ण स्थान है। इराक स्थित करबला में हुई यह घटना दरअसल सच और हक के लिए जान न्योछावर कर देने की जिंदा मिसाल है। इस घटना में पैगंबर हजरत मुहम्मद (स.अ.) के नवासे हजरत इमाम हुसैन (र.अ.) और उनके साथियों को शहीद कर दिया गया था। हजरत इमाम हुसैन इराक के शहर करबला में यजीद की फौज से लड़ते हुए शहीद हुए थे। मोहर्रम की दस तारीख को अधिकतर मुसलमान रोजा रखते हैं। पैगंबर हज़रत मुहम्मद (स.अ.) ने कहा कि इस दिन यहूदी मूसा अलैहिस्सलाम की याद में रोजा रखते हैं, इसलिए मुसलमानों को चाहिए कि वे मोहर्रम की नौ-दस या दस-ग्यारह तारीख का रोजा रखें।

प्रगति के मूक निर्माता: दाऊदी बोहरा किस तरह भारत के विकास को आकार देते हैं

भारत की विविधता की निरंतर विकसित होती कहानी में, शिया मुसलमानों का एक संप्रदाय, दाऊदी बोहरा समुदाय एक शांत लेकिन उल्लेखनीय अध्याय लिखता है। उनकी कहानी सुर्खियों में नहीं, बल्कि स्थानीय बाजारों की धड़कनों में, परिवार द्वारा संचालित उद्यमों की लचीलापन में, और उनके विश्वास और उनके वित्त दोनों को निर्देशित करने वाले गहरे नैतिक कोड में लिखी गई है। हालाँकि वे संख्या में कम हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने में उनका योगदान गहरा और स्थायी है।

मुंबई, सूरत, चेन्नई, इंदौर और उससे आगे के शहरों में फैले दाऊदी बोहरा व्यापार में अपनी ईमानदारी, काम में अनुशासन और आचरण में गरिमा के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाते हैं। बोहरा परिवारों की पीढ़ियों ने लाभ से परे उद्देश्य की भावना के साथ व्यवसायों का पोषण किया है। चाहे वह एक संकरी गली में एक छोटी सी दुकान हो या दुनिया भर में माल भेजने वाला एक निर्यात घर हो, उनके उद्यम विनम्रता और उत्कृष्टता के एक दुर्लभ मिश्रण से प्रेरित होते हैं। ईमानदारी के प्रति समुदाय के गहरे सम्मान का मतलब है कि सौदे सिर्फ हस्ताक्षर से नहीं, बल्कि भरोसे से होते हैं; एक ऐसी मुद्रा जिसका वे सोने से भी ज्यादा महत्व रखते हैं।

उनके आर्थिक दर्शन के केंद्र में एक गहरा अंतर्निहित आध्यात्मिक सिद्धांत निहित है: सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के कल्याण के लिए कमाना। यह नैतिकता उनके परोपकारी प्रयासों में झलकती है, जो व्यवसाय में उनके द्वारा दिखाई गई देखभाल को प्रतिबिंबित करती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भूख से राहत; ये दान के कभी-कभार किए जाने वाले कार्य नहीं हैं, बल्कि चल रही प्रतिबद्धताएं हैं, जो अक्सर चुपचाप और लगातार की जाती हैं। मुंबई में सैफी अस्पताल, जिसे समुदाय द्वारा बनाया और समर्थित किया गया है, हर साल हजारों लोगों की सेवा करता है, और ऐसी देखभाल प्रदान करता है जो धार्मिक और आर्थिक सीमाओं को पार करती है।

शायद उनके समुदाय-संचालित विकास का सबसे शक्तिशाली उदाहरण दक्षिण मुंबई में भिंडी बाजार पुनर्विकास परियोजना है। यह सपनों का नवीनीकरण है। कई परिवार जो पीढ़ियों से ढहती इमारतों में रह रहे हैं, उनके लिए यह पहली बार है जब वे ऐसे घर में कदम रखेंगे जो सुरक्षित, स्वच्छ और उम्मीदों से भरा हुआ है।

दाऊदी बोहरा समुदाय को जो चीज वास्तव में असाधारण बनाती है, वह है धर्म को जिम्मेदारी से अलग न करने का उनका मौन इनकार। सामुदायिक देखभाल की व्यवस्था के तहत चलने वाली उनकी रसोई सुनिश्चित करती है कि कोई भी भूखा न सोए। उनके व्यवसाय जाति, धर्म या पृष्ठभूमि की बाधाओं को पार करते हुए सभी क्षेत्रों के लोगों को रोजगार देते हैं। उनका विकास कार्य अक्सर सुदूर आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंचता है, जहां जल संरक्षण, पोषण अभियान और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल आजीविका, बल्कि सम्मान बहाल कर रहे हैं।

एक ऐसी दुनिया में जो अक्सर शोर को पुरस्कृत करती है, दाऊदी बोहरा मौन के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध हैं; लगातार काम करने, सार्थक देने और नैतिक जीवन जीने का मौन। वे श्रेय या प्रशंसा नहीं चाहते हैं, लेकिन उनका प्रभाव उन लोगों के जीवन में दिखाई देता है जिन्हें वे ऊपर उठाते हैं, जिन शहरों को वे आकार देते हैं और जिन मूल्यों को वे संरक्षित करते हैं। उनकी सफलता एक अलग जीत नहीं है, बल्कि भारत के विकास और करुणा के बड़े ताने-बाने में बुना हुआ धागा है।

जैसे-जैसे भारत आर्थिक विकास की अपनी यात्रा में आगे बढ़ रहा है, दाऊदी बोहरा समुदाय हमें याद दिलाता है कि सच्ची प्रगति केवल संख्या या बुनियादी ढांचे में नहीं बल्कि ईमानदारी, करुणा और उद्देश्य की साझा भावना में मापी जाती है। उनके जीवन के तरीके में, व्यवसाय पूजा बन जाता है, सेवा शक्ति बन जाती है, और समुदाय एक साथ उठने और कभी किसी को पीछे न छोड़ने का सामूहिक वादा बन जाता है।

पीर अली खान- एक विख्यात स्वतंत्रता सेनानी

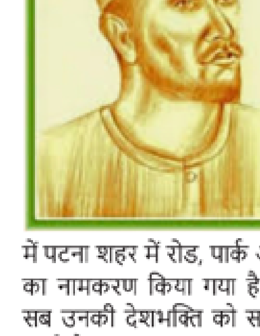

पीर अली खान का जन्म 1812 ईस्वी में मोहम्मद पुर जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश में हुआ था। लेकिन वो अपने पेशे की वजह से वह पटना में रहते थे। पेशे से वह एक जिल्दसाज थे। वह अपने पेशे के मार्फत गुपचुप तथा छुपी हुई सामग्रियों का आदान प्रदान करते थे। इस कार्य की वजह से वह अंग्रेजी हुकूमत वह पटना बिहार के तत्कालीन कमिश्नर विलियम टेलर की नजरों में आ गए और उन्हें चेतावनी दी गई लेकिन पीर अली खान अपने जुनून वह देश भक्ति का पक्का इरादा रखते थे और वह देश भक्ति के कार्य में लगे रहे जब 1857 का सैनिक विद्रोह पूरे देश में हुआ तो पीर अली खान भी अपने कई साथियों के साथ इस आंदोलन में पटना में बढ़ चढ़कर भाग लिया और अंग्रेजों के कई संस्थानों पर हमले किए अंततः पीर अली खान को उनके अन्य 33 साथियों के साथ अंग्रेजी हुकूमत ने गिरफ्तार कर लिया और 7 जुलाई 1857 को आम नागरिकों के सामने खुले तौर पर पीर अली खान एवं उनके 14 साथियों को फांसी पर लटका दिया गया। पीर अली खान की देशभक्ति, त्याग और बलिदान को लोग आज भी याद वह सम्मान करते हैं उनके सम्मान में पटना शहर में रोड, पार्क आदि का नामकरण किया गया है हम सब उनकी देशभक्ति को सलाम करते हैं।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ्ता, घर के कामों में दक्षा वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमैन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - मोबाइल: 9785162654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है। संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli, Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Penciapal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact - 9829068455

साइबर क्राइम के ताल्लुक से कानूनी जानकारी

आज के डिजिटल युग में, भारत में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ रहा है। ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, डेटा चोरी, और साइबर धमकियां आम हो गई हैं। इन अपराधों से निपटने के लिए कानूनी जागरूकता और सतर्कता जरूरी है। आज हम आपको साइबर क्राइम से बचाव और कानूनी कदमों की जानकारी देंगे।

साइबर क्राइम और उनसे जुड़े कानून

भारत में साइबर क्राइम को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत नियंत्रित किया जाता है। फिशिंग, ऑनलाइन स्कैम, और पहचान की चोरी जैसे अपराध धारा 66 (आईटी एक्ट) के तहत दंडनीय हैं, जिसमें 3-7 साल की सजा और जुर्माना हो सकता है। साइबर धमकी या ऑनलाइन उत्पीड़न (धारा 67, आईटी एक्ट और धारा 354D, आईपीसी) के लिए भी कठोर सजा का प्रावधान है।

इससे बचने के लिए आप निम्नलिखित सावधानियां बरत सकते हैं :-

1. सुरक्षित पासवर्ड: मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करें।
2. संदिग्ध लिंक से बचें: अनजान ईमेल या मैसेज में लिंक पर क्लिक न करें।
3. टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन: अपने खातों में 2FA सक्रिय करें।
4. सॉफ्टवेयर अपडेट: डिवाइस और ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करें।
5. जागरूकता: ऑनलाइन लेनदेन या सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें।

साइबर फ्रॉड होने की स्थिति में आप क्या करें ?

यदि आप के साथ साइबर अपराध होता है तुरंत साइबर पुलिस स्टेशन या साइबर सेल 1930 में शिकायत दर्ज करें।

राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल (cybercrime.gov.in) पर भी ऑनलाइन शिकायत करें। साथ में अटैक करें जैसे स्क्रीनशॉट, मैसेज, या ईमेल संभाल कर रखें।

उपसंहार

साइबर अपराधों से बचने के लिए तकनीकी सतर्कता और कानूनी जानकारी जरूरी है। अपने डिजिटल जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए इन उपायों को अपनाएं और अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें। हम हमारे खाते के फ्रीज हो जाने पर क्या करें और उसे कैसे खुलवा सकते हैं यह जानेंगे।

आपका खाता फ्रीज कर दिया गया हैं अब क्या करें :-

1.आप बैंक से संपर्क कर जानकारी मांगे खाता फ्रीज होने की।
2.बैंक से जानकारी मिलने पर आप जहां आपके खाते की शिकायत लगी हैं उस थाने के आईओ से संपर्क करें।
3.थाने में संपर्क करने पर आपको कंप्लेंट की कॉपी मिलती हैं जिससे आपको पता लगता हैं कि आपका खाता क्यों, कितने अमाउंट पर और किस लेयर पर फ्रीज हुआ हैं। यह सब जानकारी प्राप्त होने पर आप अपने राज्य के उच्च न्यायालय के अधिवक्ता से संपर्क कर अपने खाते को अन-फ्रीज करा सकते हैं उच्च न्यायालय खाते में जितनी राशि की शिकायत लगी हैं उतनी ही राशि फ्रीज रख संपूर्ण खाते को संचालित करने का आदेश दे सकती हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट के कुछ फैसले :-

मोहम्मद शाहरुख बनाम Equitas Small Finance Bank में कोर्ट ने माना कि -

1.खाते में संदिग्ध राशि आई हैं इससे पूरे खाते को फ्रीज करना अनु. 19 (1)(g) के तहत व्यवसाय करने के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हैं।

साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया कि –

1.संदिग्ध राशि होल्ड रख सकते हैं लेकिन बाकी खाता संचालन हेतु खोलना होगा।
2.यदि अपराध से संबंधित राशि स्पष्ट नहीं हैं तो बैंक जांच एजेंसी से 7 दिन के भीतर में पुष्टि मांगे और उतनी राशि पर lien रखे।
3.अगर कोई अपने बैंक खाते को बंद करना चाहता हैं तो बैंक उस lien राशि को एक अलग एस्क्रो खाते में रखें।

साइबर क्राइम या अपना अकाउंट फ्रीज हो गया हैं तो अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

अधिवक्ता कल्बे मोहम्मद
(साइबर क्राइम मैटर एक्सपर्ट)
राजस्थान हाई कोर्ट, जोधपुर

राजस्थान में VDO के 850 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 40 साल, एग्जाम से सिलेक्शन

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB), जयपुर की ओर से ग्राम विकास अधिकारी (VDO) के 800 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार आरएसएसबी की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। ग्राम विकास अधिकारी भर्ती प्रारंभिक परीक्षा 31 अगस्त को ऑफलाइन आयोजित होगी।

आवेदन शुरू : 19 जून से 18 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : VDO भर्ती 2025 के लिए ग्रेजुएशन लेवल की समान पात्रता परीक्षा (CET) पास होना जरूरी है।

उम्मीदवारों के पास 12th क्लास में कम्प्यूटर विषय हो या किसी मान्यता प्राप्त संस्था से कम्प्यूटर का डिप्लोमा होना जरूरी है।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल

उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।

सामान्य वर्ग की महिला उम्मीदवार, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरूष उम्मीदवार जो राजस्थान के स्थायी निवासी है : 5 साल की छूट

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग,आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिला, जो राजस्थान की स्थायी निवासी है, : 10 साल की छूट

फीस :

सामान्य वर्ग, क्रीमीलेयर कैटेगरी के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग : 600 रुपए

राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल 6 के आधार पर

एग्जाम पैटर्न :

उम्मीदवारों से भाषा ज्ञान (हिंदी व अंग्रेजी), गणित, सामान्य ज्ञान, भूगोल और प्राकृतिक संसाधन, राजस्थान से संदर्भ में कृषि व आर्थिक संसाधन, राजस्थान का इतिहास व संस्कृति और बेसिक कंप्यूटर विषय से 200 अंकों के 160 एमसीक्यू टाइप के प्रश्न पूछे जाएंगे।

परीक्षा की अवधि तीन घंटे होगी।

हर गलत उत्तर के लिए एक-तिहाई अंक की निगेटिव मार्किंग की जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।

ग्राम विकास अधिकारी 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। मांगी गई जानकारी दर्ज करें।

फॉर्म सब्मिट करके फीस जमा करें।

आगे की जरूरत के लिए प्रिंटआउट लेकर रखें।

IBPS में PO और MT के 5208 पदों पर निकली भर्ती

IBPS की ओर से प्रोबेशनरी ऑफिसर/मैनेजमेंट ट्रेनी भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ibps.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की आखिरी तारीख 21 जुलाई तय की गई है।

भर्ती से जुड़ी खास तारीख :

आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क का भुगतान: 1 से 21 जुलाई

प्री-एग्जामिनेशन ट्रेनिंग: अगस्त 2025

आईबीपीएस पीओ प्रीलिम्स एडमिट कार्ड : अगस्त 2025

आईबीपीएस पीओ प्रीलिम्स एग्जाम : अगस्त 2025

आईबीपीएस पीओ प्रीलिम्स रिजल्ट : सितंबर 2025

मेन एग्जाम एडमिट कार्ड : सितंबर/अक्टूबर 2025

मेन्स एग्जाम : अक्टूबर 2025

मेन्स रिजल्ट : नवंबर 2025

पर्सनालिटी टेस्ट : नवंबर/दिसंबर 2025

इंटरव्यू : दिसंबर 2025/जनवरी 2026

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी विषय में ग्रेजुएट होनी चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 30 साल

रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस :
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : 175 रुपए
अन्य : 850 रुपए

सैलरी :
48,480 - 85,920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
ग्रेजुएशन की मार्कशीट
उम्मीदवार का आधार कार्ड
जाति प्रमाण पत्र
मूल निवासी प्रमाण पत्र
मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी
पासपोर्ट साइज फोटो पर सिग्नेचर

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट ibpsonline.ibps.in पर जाएं।

'Recruitment of Clerk 2024' के विकल्प पर क्लिक करें।

अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।

रेलवे में 6180 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 10वीं पास से लेकर ग्रेजुएट्स और इंजीनियर करें अप्लाई

रेलवे भर्ती बोर्ड ने 6180 तकनीशियन के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए 28 जून यानी आज से आवेदन शुरू हो रहे हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
28 जून से 28 जुलाई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
तकनीशियन ग्रेड I सिग्नल : 1100 पद
तकनीशियन ग्रेड III सिग्नल : 7900 पद
कुल पदों की संख्या : 6180

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

टेक्निशियन ग्रेड-1 (सिग्नल) : फिजिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी (IT) या इंस्ट्रूमेंटेशन में बीएससी (B.Sc) संबंधित विषयों में डिप्लोमा या इंजीनियरिंग डिग्री भी मान्य है।

टेक्निशियन ग्रेड-3 :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई (ITI) या अप्रेंटिसशिप पूरी होना चाहिए।

एज लिमिट :

तकनीशियन ग्रेड I सिग्नल :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल

तकनीशियन ग्रेड III :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल

फीस :

एससी/एसटी, पूर्व सैनिक, पीडब्ल्यूडी, महिला, ट्रांसजेंडर, अल्पसंख्यक या आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग : 250 रुपए

अन्य सभी उम्मीदवार : 500 रुपए

सैलरी :
19,900 - 29,200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी परीक्षा
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाएं।

संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

खान साहब के यहां पर डीप फ्रीजर और रेफ्रिजरेटर के टेक्नीशियन स्टाफ की जरूरत है

जिनका काम आता है उनको प्राथमिकता दी जाएगी सैलरी : 15 से ₹25000 तक जॉब लोकेशन : जयपुर कॉल करें @ इरफ़ान अख्तर 9828733222

यह जॉब निशुल्क है अगर आप में से कोई भी शख्स इस जॉब के लिए कोई स्टाफ रेफर करते हैं तो आपको लिमरा फाउंडेशन की तरफ से तोहफा अदा किया जाएगा

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?

(पिछले अंक से जारी....)

०पढ़ने का तरीका:

□प्रत्येक पुस्तक को कम से कम दो बार पढ़ें।

□महत्वपूर्ण तथ्यों, तारीखों, और अवधारणाओं को हाइलाइट करें (जैसे, संविधान की प्रस्तावना, नदियों का प्रवाह)।

□प्रत्येक अध्याय का 1-2 पेज का संक्षिप्त नोट बनाएँ (बुलेट पॉइंट्स में, हिंदी में)।

०समयसीमा: पहले 2-3 महीने एनसीईआरटी पूरी करने में लगाएँ।

०संसाधन:

□एनसीईआरटी पुस्तकें हिंदी में ncert.nic.in पर मुफ्त उपलब्ध हैं।

□दृष्टि आईएएस या विजन आईएएस की हिंदी में एनसीईआरटी सारांश का उपयोग करें।

टिप: प्रत्येक विषय के लिए एक डायग्राम/टाइमलाइन बनाएँ (जैसे, स्वतंत्रता संग्राम की घटनाएँ)।

3. मानक संदर्भ पुस्तकों का चयन

•महत्व: एनसीईआरटी आधार देती हैं, लेकिन गहन ज्ञान के लिए मानक पुस्तकें आवश्यक हैं।

•अनुशंसित पुस्तकें (हिंदी में):

०इतिहास:

□"आधुनिक भारत का इतिहास" – बिपिन चंद्र।

□"भारत का स्वतंत्रता संग्राम" – बिपिन चंद्र।

०भूगोल:

□"भारत का भूगोल" – माजिद हुसैन।

□"भौतिक भूगोल" – सविंद्र सिंह।

०राजव्यवस्था: "भारतीय राजव्यवस्था" – एम. लक्ष्मीकांत (हिंदी माध्यम के लिए अनिवार्य)।

०अर्थशास्त्र: "भारतीय अर्थव्यवस्था" – रमेश सिंह।

०पर्यावरण: शंकर आईएएस पर्यावरण पुस्तक (हिंदी में उपलब्ध)।

०विज्ञान:

□"विज्ञान और प्रौद्योगिकी" – टाटा मैकग्रा हिल।

□मासिक पत्रिकाएँ जैसे "विज्ञान प्रगति"।

०समसामयिक घटनाएँ:

□मासिक पत्रिकाएँ: योजना, कुरुक्षेत्र, प्रतियोगिता दर्पण।

□समाचार पत्र: जनसत्ता, दैनिक जागरण (राष्ट्रीय संस्करण)।

•रणनीति:

०प्रत्येक विषय के लिए एक मानक पुस्तक चुनें और उसे गहराई से पढ़ें।

०प्रति दिन 1-2 अध्याय पढ़ें और संक्षिप्त नोट्स बनाएँ।

०पिछले प्रश्नपत्रों के आधार पर उच्च वेटेज वाले विषयों को प्राथमिकता दें (जैसे, आधुनिक इतिहास, राजव्यवस्था, पर्यावरण)।

०एक ही विषय पर कई पुस्तकों से बचें; एक विश्वसनीय स्रोत को बार-बार दोहराएँ।

टिप: हिंदी अध्ययन सामग्री का उपयोग पूरक नोट्स के लिए करें।

4.समसामयिक घटनाओं में महारत हासिल करें

•महत्व: समसामयिक घटनाएँ पेपर-I के 20-30% प्रश्नों को कवर करती हैं, जो अक्सर स्थैतिक विषयों के साथ एकीकृत होती हैं (जैसे, नई पर्यावरण नीतियाँ, आर्थिक योजनाएँ)।

•रणनीति:

०दैनिक दिनचर्या:

□रोज़ाना 1-1.5 घंटे हिंदी समाचार पत्र (जैसे, जनसत्ता, दैनिक जागरण) पढ़ें।

□संपादकीय, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समाचार, और सरकारी योजनाओं पर ध्यान दें।

□महत्वपूर्ण बिंदुओं को एक समर्पित नोटबुक में सिलेबस थीम्स के तहत नोट करें (जैसे, पर्यावरण, अर्थशास्त्र, राजव्यवस्था)।

०मासिक संकलन:

□हिंदी पत्रिकाएँ जैसे प्रतियोगिता दर्पण, योजना, या कुरुक्षेत्र पढ़ें।

□ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे दृष्टि आईएएस, विजन आईएएस, या PIB हिंदी से मासिक पीडीएफ डाउनलोड करें।

०सिलेबस के साथ जोड़ें:

□उदाहरण: यदि कोई समाचार जलवायु समझौते से संबंधित है, तो इसे पर्यावरण सिलेबस (जलवायु परिवर्तन) से जोड़ें।

□यदि नई सरकारी योजना की घोषणा हो, तो इसे आर्थिक और सामाजिक विकास (सामाजिक क्षेत्र की पहल) से जोड़ें।

०उपकरण:

□सिलेबस विषयों के आधार पर मासिक समसामयिक नोट्स फाइल बनाएँ।

□PIB, संसद टीवी, या दृष्टि आईएएस यूट्यूब जैसे ऐप्स का उपयोग हिंदी अपडेट्स के लिए करें।

टिप: प्रमुख घटनाओं की टाइमलाइन बनाएँ (जैसे, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नीतियाँ)।

5. संरचित अध्ययन योजना बनाएँ

•उद्देश्य: सभी विषयों को संतुलित करें और नियमित संशोधन सुनिश्चित करें।

•6 महीने की नमूना अध्ययन योजना (शुरुआती, 6-8 घंटे दैनिक):

समय गतिविधि फोकस

6:00 AM - 7:30 AM समाचार पत्र और समसामयिक घटनाएँ राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समाचार, योजनाएँ

7:30 AM - 10:30 AM एनसीईआरटी (इतिहास/भूगोल) बुनियादी अवधारणाएँ, तथ्य, **टाइमलाइन**

10:30 AM - 1:00 PM राजव्यवस्था (लक्ष्मीकांत) संविधान, मौलिक अधिकार, नीतियाँ

2:00 PM - 4:00 PM अर्थशास्त्र/पर्यावरण योजनाएँ, जैव-विविधता, जलवायु परिवर्तन

4:00 PM - 5:00 PM नोट्स बनाना और संशोधन संक्षिप्त नोट्स, डायग्राम, टाइमलाइन

8:00 PM - 10:00 PM मॉक टेस्ट/पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र विश्लेषण, कमजोर क्षेत्रों में सुधार

•साप्ताहिक योजना:

०प्रत्येक सप्ताह एक विषय पर गहन अध्ययन (जैसे, सप्ताह 1: इतिहास, सप्ताह 2: भूगोल)।

०पिछले सप्ताह के नोट्स का संशोधन।

०सप्ताहांत में मॉक टेस्ट या 20-30 प्रश्न हल करें।

•मासिक लक्ष्य:

०एक विषय को पूरी तरह कवर करें (जैसे, आधुनिक इतिहास)।

०2-3 पूर्ण मॉक टेस्ट दें और विश्लेषण करें।

टिप: समय-सारिणी को लचीला रखें, लेकिन अनुशासित रहें।

6. प्रभावी नोट्स बनाना और संशोधन

•रणनीति:

०प्रत्येक विषय के लिए संक्षिप्त नोट्स बनाएँ (1-2 पेज प्रति अध्याय, बुलेट पॉइंट्स में)।

०थीम-आधारित नोट्स बनाएँ:

□इतिहास: स्वतंत्रता संग्राम की टाइमलाइन, प्रमुख व्यक्तित्व।

□भूगोल: नक्शे, नदियाँ, जलवायु क्षेत्र।

□राजव्यवस्था: संविधान की अनुच्छेद, संशोधन।

□अर्थशास्त्र: योजनाएँ, बजट, आर्थिक सर्वेक्षण।

□पर्यावरण: राष्ट्रीय उद्यान, संरक्षण कार्यक्रम।

०डायग्राम, चार्ट, और माइंड मैप बनाएँ (जैसे, संविधान की संरचना, नदियों का प्रवाह)।

०समसामयिक घटनाओं के लिए मासिक नोट्स बनाएँ, जैसे:

□नीति/योजना: नाम, उद्देश्य, प्रभाव।

□=अंतरराष्ट्रीय घटनाएँ: सम्मेलन, समझौते।

०=संशोधन:

□=सप्ताह में एक बार पुराने नोट्स दोहराएँ।

□=परीक्षा से पहले 2 महीने में 3-4 बार पूर्ण संशोधन करें।

□=फ्लेशकार्ड बनाएँ (जैसे, महत्वपूर्ण तारीखें, अनुच्छेद)।

टिप: नोट्स को डिजिटल रूप में भी बनाएँ (जैसे, गूगल ड्राइव) ताकि आसानी से अपडेट और संशोधन हो सके।

7. मॉक टेस्ट और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र

•=महत्व: नियमित अभ्यास से परीक्षा पैटर्न, समय प्रबंधन, और सटीकता में सुधार होता है।

•रणनीति:

०पिछले 5-10 वर्षों के प्रश्नपत्र (हिंदी में उपलब्ध) हल करें।

□उदाहरण: 2020-2024 के प्रश्नपत्रों में पर्यावरण और समसामयिक घटनाओं का वेटेज अधिक रहा।

०हिंदी में टेस्ट सीरीज़ में शामिल हों (जैसे, दृष्टि आईएएस, विजन आईएएस, प्रिष्ट IAS)।

०टेस्ट रणनीति:

□पहले 2 महीने: विषय-आधारित टेस्ट (जैसे, केवल इतिहास, केवल राजव्यवस्था)।

□3-6 महीने: पूर्ण मॉक टेस्ट (100 प्रश्न, 2 घंटे)।

□प्रत्येक टेस्ट के बाद विश्लेषण करें: गलत उत्तरों के कारण समझें, कमजोर क्षेत्रों पर काम करें।

डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

AI तकनीक की सहायता से अब आयकर रिटर्न (ITR)

आज के डिजिटल युग में, जब प्रत्येक क्षेत्र में तकनीकी नवाचार हो रहा है, आयकर प्रणाली भी इससे अछूती नहीं रही है। हाल के वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) ने आयकर प्रशासन की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय परिवर्तन लाए हैं। एक कर सलाहकार होने के नाते, मैं यह स्पष्ट रूप से देख रहा हूँ कि यह परिवर्तन करदाताओं और कर अधिकारियों, दोनों के लिए किस प्रकार लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

रिटर्न प्रोसेसिंग में तीव्रता और पारदर्शिता

AI तकनीक की सहायता से अब आयकर रिटर्न (ITR) की प्रोसेसिंग कहीं अधिक तीव्र, सटीक और पारदर्शी हो गई है। आय विवरणों, बैंक लेन-देन, निवेशों और अन्य वित्तीय स्रोतों से प्राप्त जानकारी का आपसी मिलान स्वचालित रूप से किया जा रहा है। इससे करदाताओं को तेज़ रिफंड प्राप्त हो रहा है और रिटर्न में त्रुटियों की संभावना में कमी आई है।

सावधानीपूर्वक निगरानी और टैक्स चोरी पर नियंत्रण

AI का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग जोखिम-आधारित चयन (Risk-Based Scrutiny) में देखने को मिल रहा है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के माध्यम से उच्च जोखिम वाले मामलों की पहचान कर उन्हें जांच के लिए चुना जा रहा है। इससे कर विभाग की कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है और अनावश्यक जांचों की संख्या में कमी आई है।

CBDT द्वारा संचालित "Project Insight" के अंतर्गत करदाताओं के बड़े लेन-देन, अघोषित आय, और अचल संपत्तियों की निगरानी की जा रही है। यह पहल पारदर्शिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर आधार (tax base) के विस्तार में सहायक है।

करदाताओं को सुलभ सेवाएँ

AI आधारित वर्चुअल असिस्टेंट और चैटबॉट्स अब करदाताओं की सहायता के लिए उपलब्ध हैं, जो न केवल सामान्य प्रश्नों के उत्तर प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें रिटर्न भरने की प्रक्रिया में मार्गदर्शन भी करते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से उन करदाताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है जो तकनीकी जानकारी में सीमित हैं। इसके अतिरिक्त, AI करदाताओं को संभावित कटौतियों (deductions) और छूटों के बारे में भी सूचित कर सकता है, जिससे वे कर नियोजन को अधिक प्रभावी रूप से संपन्न कर सकते हैं।

प्रमुख चुनौतियाँ और सावधानियाँ

जहाँ एक ओर AI कर प्रणाली में सुधार ला रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं। सबसे महत्वपूर्ण है डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा। कर विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि करदाताओं की संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग न हो। साथ ही, यह भी आवश्यक है कि AI के निर्णय पारदर्शी हों और गंभीर मामलों में मानव विवेक की भूमिका बनी रहे।

निष्कर्ष: संतुलन और संयम आवश्यक

AI का समावेश आयकर व्यवस्था को अधिक आधुनिक और उत्तरदायी बना रहा है। एक कर सलाहकार के रूप में मेरा यह अनुभव रहा है कि यदि इस तकनीक का संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग किया जाए, तो इससे करदाताओं का विश्वास भी बढ़ेगा और कर संग्रहण प्रणाली अधिक सक्षम हो सकेगी। आने वाले वर्षों में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर क्षेत्र में सहायक उपकरण के रूप में कार्य करेगी — निर्णय लेने में सहायता करेगी, न कि उसे प्रतिस्थापित करेगी।

अब्दुल वकील अहमद कुरैशी
एडवोकेट
एम. डी. रोड, जयपुर

बैंक ऑफ बड़ौदा में 2500 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोकल बैंक ऑफिसर के 2500 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

सिलेक्ट किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति के बाद न्यूनतम 3 वर्षों की सेवा देना जरूरी होगा। इसके लिए उन्हें पांच लाख रुपए का एक बॉन्ड भरना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार इस निर्धारित सेवा अवधि से पहले इस्तीफा देता है या अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करता है तो उसे यह राशि बैंक को चुकानी होगी।

यह शर्त बैंक द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग, संसाधनों और भर्ती प्रक्रिया की लागत को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

आवेदन शुरू :
04 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री
एक साल का अनुभव
स्थानीय भाषा की जानकारी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : अधिकतम उम्र में 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सैलरी :
48,480 से 85,920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन परीक्षा
साइकोमेट्रिक टेस्ट
लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट
ग्रुप डिस्कशन या इंटरव्यू

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग : 175 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 11 जुलाई से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। इस भर्ती के लिए परीक्षा की तारीख 25 सितंबर 2025 तय की गई है। अग्निवीर वायु का कार्यकाल 4 साल है। इस भर्ती में सेवा निधि योजना के अनुसार लगभग 10.08 लाख मिलेंगे। यह भर्ती अविवाहित महिला और पुरुषों के लिए होगी।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

इंटरमीडिएट (12वीं) गणित, भौतिकी और अंग्रेजी में मिनिमम 50% नंबरों के साथ

या मिनिमम 50% अंकों के साथ मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रॉनिक्स / ऑटोमोबाइल / कंप्यूटर साइंस / इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी /आईटी में **इंजीनियरिंग का 3 वर्षीय डिप्लोमा**

या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिकी और गणित के साथ 2 साल का वोकेशनल कोर्स जिसमें कुल 50% अंक और अंग्रेजी में 50% अंक हों।

एज लिमिट :
17.5-21 साल
आयु 1 जनवरी 2005 से 1 जनवरी 2008 के बीच होनी चाहिए।
आयु में छूट इंडियन एयरफोर्स अग्निवीर वायु इंटेक 1/2026 के नियमानुसार दी जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

अंत्योदय संबल पखवाड़े के शिविरों में वर्षों पुराने विवाद सुलझे

-अब तक 157 बंद रास्ते खुलवाए, आपसी सहमति से जमीन के 91 मामलों का निपटारा

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जिले में चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के शिविरों में जिलेभर के गांवों में सालों से बंद पड़े बंद रास्तों को आपसी सहमति से खुलवाया गया है। इसके साथ ही राजस्व कोर्टों में कई वर्षों से चल रहे सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, नामांतरण व सहमति पत्र सहित कई जमीनी मुकदमों का समझाईश से निपटारा किया गया है। अब तक जिले में की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार पखवाड़े में राजस्व विभाग द्वारा सीमाज्ञान के 618 प्रकरण, नामान्तकरण के 1086 प्रकरण, सहमति विभाजन के 91 प्रकरण, रास्तों के 157 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़नें हेतु कुल 1924 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व के पट्टे बनाकर 1743 पट्टे वितरित किए गए। ऊर्जा विभाग द्वारा 374 बिजली के झूलते तारों को खिंचवाया गया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 202 नल कनेक्शन जारी किए गए तथा 71 पानी की टंकियों की साफ-सफाई की गई। वन विभाग द्वारा 238437 पौधे वितरित किए गए। खाद्य विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 697 आवेदन निस्तारित किए गए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वार 40 यूडीआईडी कार्ड जारी किए तथा पीएमवीवीवाई योजना के अन्तर्गत 621 व्यक्तियों को पंजीकृत किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा लम्पी रोग, गलघोंटू, लंगड़ा बुखार के 27892 टीकाकरण किए गए। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कुल 66 स्कूटी ठीक करके वितरित की गई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 7327 पेंशनर्स को सत्यापित किया गया। अंत्योदय संबल पखवाड़े में 24 जून से शुरू हुए शिविर 9 जुलाई तक चलेंगे। शिविरों में सरकारी योजनाओं का आमजन को फायदा देने के लिए काम किया जा रहा है। पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व पट्टों का वितरण व वर्षा जल संरक्षण के लिए जलग्रहण संरचनाओं की मरम्मत संबंधी कार्य करवाए जा रहे हैं। बिजली निगमों की ओर से बिजली के झूलते तार व विद्त पोल की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। शिविर में आवेदन लेकर लोगों को लंबित जल कनेक्शन जारी किए जाएंगे। कृषि विभाग की ओर से सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत ड्रिप, मिनी व फव्वारा की स्वीकृतियां देने के साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण किया जा रहा है। वन विभाग को नर्सरियों से पौधे वितरण व हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण की जिम्मेदारी दी गई है।

अल-फ़लाह वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित ब्लड कैम्प में 55 यूनिट ब्लड एकत्रित

-महिलाओं में रक्तदान के प्रति उत्साह बड़ा

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। अल-फ़लाह एजुकेशनल एन्ड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा हर साल की तरह इस साल भी श्रीपुरा में 8 मुहर्रम पर लड़को के मुहर्रम मार्ग में ब्लड कैम्प अयोजित किया गया जिसमें 55 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। यह शिविर कृष्णा ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर संयोजक इमरान कुरैशी ने बताया कि अल-फ़लाह ट्रस्ट द्वारा पिछले कई सालों से जरूरतमन्द मरीज़ों की आवश्यकता पूरी करने हेतु ये केम्प आयोजित किये जा रहे है, जिसमें महिला पुरूष सभी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते है। अल-फ़लाह ट्रस्ट ने सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया और उनकी हौंसला अफ़ज़ाई की। ट्रस्ट ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि खून ऐसी चीज़ है जो किसी फेक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता इसका निर्माण सिर्फ इंसान के शरीर मे ही होता है और रक्तदान करने से रक्तदाता को कोई नुकसान पहुँचता इसलिये सभी को जीवन मे एक बार अवश्य रक्तदान करना चाहिए।रक्तदान शिविर में ट्रस्टी किफायत शेख़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, मुजफ्फर राईन, हेदर अहमद, जोनी राईन, समीर अंसारी, सनावर अंसारी, वसीम, जावेद मूसा, शानू भाटी, मखदूम हयात सहित कई समाजसेवी लोगो ने उपस्थित होकर रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया।

मोहर्रम के अवसर पर छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया शर्बत

बारां, (रॉयल पत्रिका)। योमे आशुरा के दिन शहर के शटर व्यवसाई सलीम भाई शटर वालों ने मेला ग्राउंड के मुख्य मार्ग पर शर्बत की छबील लगाकर दिन भर राहगीरों और जायरीनों को ठंडा शर्बत पिलाया। उन्होंने बताया कि वो पिछले कई सालों से 10 मोहर्रम उल हराम ताजिये वाले दिन मेला ग्राउंड स्थित कर्बला में आने जायरीनों और राहगीरों के लिए ठंडे शर्बत की छबील लगाते हैं। इस दौरान मुन्ना अली, मोहम्मद हकीम, सोनू खान, मोनू खान, अदनान पठान आदि दिन भर छबील पर मौजूद रहे।

हमदर्द हेल्पिंग सोसाइटी द्वारा 40 यूनिट रक्तदान हुआ

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी में हमदर्द हेल्पिंग एण्ड सोसाइटी और अंजुमन कमेटी खैराबाद की और से इमाम हुसैन की याद में रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर 40 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। अध्यक्ष इमरान ने बताया कि शिविर में एकत्र रक्त थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चे और इमरजेंसी मरीजों के उपयोग में होगा। रक्त की कमी ना हो इसके लिए सभी को आगे आकर रक्तादान करना चाहिए। गोलू कुरैशी ने बताया कि कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया। शिविर में फैजल मिर्जा, आबिद मेव, शाइन हाशमी, अरशद महमूद, सरफराज शाह, सरफराज अंसारी सहित अन्य ने सहयोग दिया।

शहर में मातमी धुनों के साथ निकाले गए ताजिये

-अंजुमन ने किया सभी ताजिया कमेटी के पटेलों का स्वागत

बारां.(रॉयल पत्रिका)। इस्लाम के आख़री पैगम्बर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे हज़रत ईमाम हुसैन व कर्बला के शहीदों की याद में 10 मोहर्रम योमे आशूरा के दिन रविवार 6 जुलाई दोपहर को मातमी धुनों के साथ ताजिये निकाले गए। वही शहर में कई लोगों ने योमे आशूरा के दिन रोजा रखकर दिन भर इबादत की। और अपने गुनाहों से तौबा की। रविवार दोपहर को शहर के अलग-अलग इमामबाड़ों से ताजियों का मुकाम उठ कर अपने-अपने मार्ग से होते हुए अखाड़ों के उस्ताद व पहलवान हैरतंगेज करतब दिखाते हुए मस्जिद बारां भाई, तालाब पाड़ा, सदर बाजार, छोटा सर्राफा बाजार में होते हुए दरगाह बाबा मर्दान गैब साहब पर पहुंचे। यहां से सभी ताजिये क्रमानुसार सब्ज़ी मंडी की टेक होते हुए प्रताप चोक से धर्मादा चौराहा, अंजुमन चौराहा होते हुए मेला ग्राउंड स्थित कर्बला मैदान पहुंचे जहां पर कर्बला में सभी ताजियों को ठंडा करने के लिए पहले से ही वाहनों की व्यवस्था पंचायतों द्वारा की गई थी। रास्ते मे जगह-जगह छबीले लगाकर, शर्बत पिलाकर स्वागत भी किया गया। अखाड़ों के हैरतअंगेज करतब देखकर भारी भीड़ जुटी रही। अंजुमन चौराहे पर पहुंचने पर अंजुमन सदर माजिद सलीम के नेतृत्व में ताजिया कमेटी के पटेलों व अखाड़ेबाजों का माला पहनाकर साफा बांधकर इस्तकबाल किया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन ने पुख्ता व्यवस्था बनाए रखी। पूरे रास्ते पुलिस प्रशाशन चुस्त नजर आया। कर्बला में ताजिए पहुंचने पर सभी पंचायतों ने पुलिस प्रशाशन का आभार प्रकट किया।

अकीदत के साथ निकला चादर का जुलूस

बारां,(रॉयल पत्रिका)। मोहर्रम की 9 तारीख शनिवार को शहर में बाबा फूल पीर साहब की दरगाह से चादर का जुलूस निकलना शुरू हुआ जो दरगाह बाबा मर्दान गैब साहब के आस्ताने पर चादर पेश करके मुकम्मल हुआ। एडवोकेट फिरोज खान ने बताया कि चादर का जुलूस नयापुरा छोटी मस्जिद की दरगाह से शुरू होकर बाबा फूल पीर साहब दरगाह पहुंचा। जहां पर अकीदतमंदों द्वारा जुलूस को रवाना किया गया। रास्ते में जगह-जगह अखाड़ा खेलने वाले युवाओं ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। जुलूस में सूफी इदरीस बाबा, समाजसेवी इकबाल रीगल, जब्बार खान, कदीर भाई साइकिल वाले, शुरुवात से ही मौजूद रहे। जुलूस बाबा फूल पीर साहब दरगाह से शुरू होकर मेला ग्राउंड, अंजुमन चौराहा, धर्माधा चौराहा, सदर बाजार, जामा मस्जिद होते हुए दरगाह बाबा मर्दान गैब साहब पर चादर पेश करने के बाद ख़त्म हुआ। जुलूस के साथ बड़ी संख्या में लोगों के साथ औरतें और बच्चे भी मौजूद रहे।

अकीदत और मातमी माहौल के साथ निकले मोहर्रम का जुलूस

पाली, (रॉयल पत्रिका)। शहर में रविवार को मुस्लिम समाज ने ताजिये का पर्व गमगीन महौल में मनाया। पाली जिला मुस्लिम समाज के कार्यक्रम संयोजक शकील अहमद नागौरी ने बताया की रविवार दोपहर 3 बजे पीठ का मोहर्रम केरिया दरवाजा से लाइसेन्सदार हाजी मोहम्मद उमर लोहार के नेतृत्व में अपने मुकाम से ढ़ोल, नगाड़ो, जांज व ताशों के साथ शहनाई की मातमी धुन बजा कर कर्बला के शहीद हजरत इमाम हुसैन व अब्बास अलमदार को याद किया। मस्जिदों में उमड़े मोमीन, इबादत कर किया शहीदाने कर्बला को याद जिला मुस्लिम समाज पाली के जॉइंट सेकेट्री हसन भाटी ने बताया मोमिनो ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में रोजा रख कर इबादत के लिए मस्जिदों की और रुख किया। मस्जिदों में तकरीर, नात खवानी पढ़ी गई। महिलाओ दुवारा घरो में मिलाद व तकरीरी मजलिसे सजाई गई व् कर्बला के शहीदों को याद किया गया। मोमिनो दुवारा मस्जिदों में जिक्रे इमाम हुसैन कर के जंगनामा पढ़ा गया और तिलावते कुरान एवं नमाज अदा कर शहीदों को खिराजे अकीदत पेश की। दूसरी तरफ मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के मेला संयोजक मोहम्मद रफ़ीक अब्बासी ने बताया कि जुलुस में अखाडा मीर अजीम घोसी वाड़ा लाईसेंसदार सलमान रोशन अली मोयल व उस्ताद चाँद मोहमद घोसी अखाड़ा शेख चिराग के लाइसेन्सदार हाजी फकीर मोहम्मद चढ़वा जंगीवाड़ा के लाइसेन्सदार हाजी गुलाम नबी पिंजारा भेरूघाट के अब्दुल सत्तार पठान, मोहम्मद फारूक पठान की कयादत में अखाड़े के शगिर्दो ने अखाड़े के हैरत अंगेज करतबो का पर्दशन किया जिसमे डान पट्टा, लकड़ी की चाल, शमशीर चलाना, तलवार का वार और ढ़ाल का बचाव प्रमुख़ रूप से रहे। इस दरमियान आम जन शाबाश तेरे उस्ताद को, बहुत खूब, जैसे जुमले बोलकर अखाड़ों के शगिर्दो व अखाड़ों के उस्तादों का हौसला अफजाई करते रहे। मुस्लिम समाज कार्यक्रम संयोजक शक़ील अहमद नागौरी ने बताया कि इस दरमियान मोहर्रम आहिस्ता आहिस्ता इंच दर इंच अपने मकाम की और बढ़ता गया। कुछ ही मिनट में तय हो जाने वाला रास्ता केरिया दरवाजा से जाकिर हुसेन रोड 7 से 8 घण्टो में तय हो सका। रास्ते में हिन्द मुस्लिम श्रद्धालुओ में मोहर्रम के नीचे से गुजरने की होड़ मची रही। जगह जगह श्रद्धा अनुसार मोहर्रम पर फूल माला, नोटों के सेहरा, सूखे मेवो के सेहरा, मिठाई आदि का नजराना पेश कर हजरत इमाम हुसैन से अपने अपने दुख दर्दो से निजात दिलाने की फरियाद पेश की व अपने व अपने परिजनों की अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। पीठ का मोहर्रम बादशाह का झण्डा पहुचने पर मोहर्रम चुडिगर भी चुडिगर मोहल्ला से लाइसेन्सदार मोहम्मद शाहिद पिनु के नेतत्व में मुथो का बास से होकर पीठ के मोहर्रम के साथ होकर गजानन्द मार्ग, माणक जी के नोहरे के पास होते हुए जंगीवाड़ा पहुँचा। मुस्लिम समाज के लोगो ने जगह जगह अखाड़ों के लाइसेन्सदार जहाँ दूसरी तरफ मोहर्रम खेरादियांन लाईसेंसदार मोहम्मद इकबाल खेरादी नवलखा रोड से चलकर सिपाहियो का बस, भिश्ती गली, गुलजार चोक,गंछो का बास होकर जंगीवाड़ा पहुच कर पलटन के मोहर्रम के लाईसेंसदार मोहम्मद इल्यास कुरैशी साथ होकर पीठ के मोहर्रम,व् चुडिगर मोहर्रम के साथ होकर जंगीवाड़ा चोक,बोम्बे फेल्ट,से होकर डागा जी के मकान ,दाल मिल,होकर पुराना बस स्टेण्ड ,नवलखा रोड जाकिर हुसैन चोक पहुँके। जहाँ दूसरी तरफ जूनी पाली का मोहर्रम लाईसेंसदार मोहम्मद मोहम्मद सलीम पिंजारा, सोमनाथ रोड,प्यरा चोक होकर जाकिर हुसेन चोक कर सम्पन हुआ। इस मौके पर चाक चौबंद रही संचालन की व्यवस्था मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों ने जिला प्रशासन के सहयोग से जुलूस के संचालन में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी, सामाजिक संगठनों व गणमान्य लोगों की मदद से विशेष रूप से व्यवस्था की। जिसमे सहयोग करने वाले कमेटी के सदस्यों ने दोपहर 3 बजे से समापन में मोहर्रम संचालन में सहयोग करते हुए सभी मोहर्रम को कार्यक्रम समापन स्थल डॉ जाकिर हुसैन प्याऊ तक पहुचाया। इस जुलूस के समापन पर जिला मुस्लिम समाज सदर जहां पर पाली जिला मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम, हाजी मेहबूब टी, मोहम्मद सलीम मिस्कीन, राजू भाई रंगरेज, मेहबूब भाई धानवाला, हाजी युनश मोगी, हाजी रियाज अली , हाजी मोहम्मद अल्ताफ, हाजी याकूब के द्वारा 1100 किलो दूध की छबील मोहब्बत का शर्बत बना बनाई गई। जिसको मुस्लिम समाज के लोगों को वितरण किया गया। मोहर्रम संचालन में पाली शहर मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के सदर अजीज फौजदार, अनवर भाई सोजत वाला, रमजान सामरिया, यासीन रॉयल, मकसूद अली, इमरान शेख, राजू रंगरेज, आमीन अली रंगरेज़, तालिब अली, अकरम खिलेरी, पार्षद प्रतिनिधि मोहसिन खत्री, शहजाद शेख, हाजी इंसाफ सोलंकी सहित मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगो ने व्यवस्था में सहयोग किया। अंत में जिला मुस्लिम समाज के सदर मोहम्मद हकीम भाई ने जिला प्रशासन का आभार जताया।

अच्छे नंबरों से पास होने पर विद्यार्थियों को अखिलेश मेडतवाल ने सम्मानित किया

रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका)। शहर में हीराभाई परिख राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय एसडीएमसी की बैठक आयोजन किया। इसमें नगर पालिका के चेयरमैन अखिलेश मेड़तवाल, यशवंत शाह, विभा रावका, पार्षद रुचिता जैन ने उत्कृष्ट परिणाम देने वाली बेटियों को सम्मानित किया गया। जिसमें विज्ञान वर्ग से चेतना राठौड़ के 97.80 फीसदी, कला वर्ग से वर्षा के 91.60 फीसदी, वाणिज्य वर्ग से धरा जैन के 89 फीसदी अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय में जो पद खाली है। उनके लिए विद्यालय स्तर पर पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों की मांग रखी। जिन्हें 5 हजार मासिक पर रखने की स्वीकृति प्राप्त हुई। भूगोल, वाणिज्य, रसायन विज्ञान, गणित, संस्कृत के पदों पर अतिथि शिक्षकों को रखा जाएगा। प्रधानाचार्य आशा सोनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समिति के सदस्यों में बीना सोनी, मुरली मनोहर शर्मा, मनोरमा श्रृंगी, प्रभुलाल छंदक, शीशराम सैनी, मीनाक्षी योगेन्द्र, संगीता अहीर उपस्थित रहे।

दिलावर से छात्रा ने द्वेषता के कारण फेल करने की शिकायत की

-शिक्षिका को निलंबित करने के आदेश

डॉक्टर तोहिद

सुकेत/मोड़क, (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को कस्बे में मोहल्ला वार बैठक कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनी। मोहल्ला बैठक की शुरुआत प्रातः 11 बजे मेघवाल बस्ती से की गई। यहां मेघवाल समाज के लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री दिलावर ने कहा कि सरकार प्रदेश के प्रत्येक पात्र गरीब आदमी को प्रतिवर्ष 60 हजार रुपए से अधिक की मदद कर रही है। उन्होंने बताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए किसान सम्मान निधि की शुरुआत की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने इसमें वृद्धि कर दी है। पेंशन योजना, खाद्य सुरक्षा योजना, उज्ज्वला योजना, विधवा पेंशन योजना, पालनहार योजना, प्रसूता सहायता योजना, छात्रवृत्ति योजना सहित तमाम योजनाओं के जरिए पात्र परिवार को राज्य सरकार 60 हजार रुपए की प्रतिवर्ष सहायता कर रही है। यानी आपको किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो ये चिंता आपके लिए सरकार कर रही है। मंत्री दिलावर ने यहां मेघवाल बस्ती में महिलाओं के लिए सामूहिक स्नानागार बनाने के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। दिलावर ने कुल 11 मोहल्ला बैठकें की और क्षेत्र के लोगों के हाल चाल जाने। मेघवाल बस्ती, मोड़क गांव से मोहल्ला बैठकों की शुरुआत करके दिलावर ने शीतला माता मंदिर के पास, कछेरी का बाड मोहल्ला, बागरी मोहल्ला, सोसाइटी गली, चौथ माता मंदिर, रैगर बस्ती, गणेशजी का मंदिर मोहल्ला, मुरारी माली के मकान के पास, शोभाराम मीणा के मकान के पास, महावीर कॉलोनी मोड़क गांव में बैठकें की। मंत्री ने सभी में जनता को मिल रहे सरकारी लाभ के बारे में और वंचित पात्र लोगों को आवेदन कर लाभ लेने के लिए अधिकारियों को कहा। समस्याओं को लेकर मंत्री दिलावर ने कहा कि हर 15 दिन में जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित करते हैं।
मोहल्ला बैठकों में तो मैं आप सब से मिलने आता हूं। ताकि आपको ये ना लगे कि मंत्री बनने के बाद दिलावरजी हमसे मिलने ही नहीं आए। तेजाजी चौक परिसर के पास वार्ड नंबर 3 मोड़क गांव में जैसी सार्वजनिक सामुदायिक भवन के विधा निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा मंत्री दिलावर ने की। इस होगी दौरान एक छात्रा ने शिकायत दी कि उसको स्कूल की अध्यापिका सविता मीणा ने द्वेषता रखते हुए फेल कर दिया है। मंत्री ने मामले की जानकारी सही पाया तो मौके पर ही अध्यापिका को निलंबित करने के आदेश जारी किए।

मोहर्रम के जुलूस में एक ही समुदाय के युवाओं में झगड़ा होने से एक की मौत हो गई

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहर्रम के अवसर पर भाई जी चौक सब्जी मंडी में एक ही समुदाय के युवकों में झगड़ा होने से एक 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई। दोनों ही मुस्लिम समुदाय से हैं। यह वाक्या उस समय हुआ जब ताजियोंदारों को भाजपा व कांग्रेस नेताओं द्वारा सम्मान दिया जा रहा था। उससे पहले काफी बरसात हुई बरसात से रास्ते बाधित हो गए। उस दौरान वहां पर युवकों का आपस में झगड़ा हो गया, जिससे एक युवक की मौत हो गई। चूरू के राजकीय भरतीया अस्पताल में उसे लेकर गए जहां पर मृत घोषित किया। पुलिस प्रशासन सीसीटीवी खंगाल रही है। डीएसपी सुनील झाझडिया ने बताया कि जल्द ही उन लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। मृत युवक की डेड बॉडी अस्पताल की मोर्चरी में रखी गई है। अस्पताल में भाजपा, कांग्रेस के नेताओं सहित काफी संख्या में भारी भीड़ जमा हो गई। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया भी अस्पताल पहुंचे और प्रशासन से बातचीत की इस घटना से शहर में दहशत का माहौल है और पुलिस प्रशासन चाक चौबंद है एवं शहर में शांति बनाए हुए हैं।

डॉ. मेधा माथुर को गीतांजली विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की प्रोफेसर डॉ. मेधा माथुर को गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी.एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने डॉ. मुकुल दीक्षित, प्रोफेसर एवं हेड, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के कुशल मार्गदर्शन में "असेसमेंट ऑफ़ द स्पिरिचुअल डायमेंशन इन हेल्थ अमंग हेल्थ वर्कफोर्स एट ए टरशियरी केयर हॉस्पिटल ऑफ़ सदर्न राजस्थान" शीर्षक विषय पर अपना शोध कार्य किय।

सुकेत थाना अधिकारी छोटू लाल से शिष्टाचार मुलाकात

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका सुकेत के थाना अधिकारी छोटू लाल एक निहायत सरल स्वभाव सादगी पूर्ण वाले व्यक्ति है। डॉक्टर तोहिद द्वारा उनके जन्मदिन पर घर जाकर उनको सम्मान पूर्वक माला पहनकर शुभकामनाएं दी और उनकी दीर्घायु होने की कामना की।

रेल परियोजना की डीपीआर के लिए 10 करोड़ स्वीकृत

-क्षेत्र में खुशी की लहर, पूर्व मंत्री ने सांसद बेनीवाल का जताया आभार

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। जेसलमेर-बाड़मेर-सांचौर भाभर रेल परियोजना के लिए भारत सरकार द्वारा सामरिकऔर विकास दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही नई रेल लाइन लम्बे इंतजार के बाद बड़ी राहत की खबर आई है। लगभग तीन दशक से लंबित इस रेल प्रोजेक्ट के लिएरेल मंत्रालय ने 10 करोड़ रूपए की लागत से अंतिम स्थान सर्वेक्षण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की मंजूरी दे दी है। यह रेल लाइन पश्चिमी राजस्थान को गुजरात और दक्षिण भारत से जोड़ने का वैकल्पिक, छोटा और तेज मार्ग बनेगी। उक्त प्रोजेक्ट को लेकर बाड़मेर-जैसलमेर-बालोतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल की पैरवी की जा रही थी। रेल मंत्री से सीधी मुलाकात के साथ-साथ संसदीय स्थायी समिति की बैठकों में भी सांसद ने इस योजना की मजबूती से पैरवी की थी। रेल मंत्रालय से मिली स्वीकृति के तहत 380 किलोमीटर लम्बी इस प्रस्तावित रेल लाइन के लिए 9.50 करोड़ रूपए की लागत से सर्वे होगा, जबकि जैसलमेर के सोनू से रामगढ़ तक 20 किलोमीटर की अतिरिक्त रेल कनेक्टिविटी के लिए 50 लाख रूपए मंजूर किए

गए है। कुल 10 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत डीपीआर तैयार करेगा। इस अहम स्वीकृति के लिए रेल संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल का पूर्व राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई ने आभार जताया है। विश्नोई ने कहा कि यह परियोजना लम्बे समय से सांचौर व नेहड़ क्षेत्रवासियों की मांग रही है। उन्होनें स्वयं जुलाई 2021 और अप्रैल 2023 में रेल मंत्री से मुलाकात कर रेल मार्ग का सर्वे कर इसे मंजूरी प्रदान करने की पुरजोर मांग की थी। उन्होनें बताया कि रेल मंत्री वैष्णव ने मांग को गम्भीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए थे। वहीं सांसद बेनीवाल ने भी इसके लिउ सतत प्रयास किए। विश्नोई ने कहा कि इस रेल परियोजना से न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता को यातायात में सुविधा मिलेगी, बल्कि यह सामरिक दृष्टि से भीअहम होगी। बड़ी संख्या में जैसलमेर-बाड़मेर-सांचौर क्षेत्र के लोग देशभर में व्यवसाय कर रहे है, उनके लिए यह रेल लाइन वरदान साबित होगी। इसके अतिरिक्त नर्मदा के पानी से क्षेत्र में भरपुर फसल उत्पादन हो रहा है, जिसे अभी छोटे वाहनों के जरिए भेजा जाता है, लेकिन इस परियोजना से किसानों को अपनी फसल को बड़ी मंडियों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पथमेड़ा गोशाला, रणखार कंजर्वेशन पार्क जैसे पर्यटन स्थलों को भी इससे नया आयाम मिलेगा। विद्यार्थियों, व्यापारियों व उद्यमियों के लिए यह परियोजना रोजगार, शिक्षा व व्यापक के नए द्वार खोलेगी।

प्रधान के निलंबन से नाराज कांग्रेस पार्टी की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष गिर्राज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी की चुनी हुई सवाई माधोपुर पंचायत समिति प्रधान निरमा मीणा को राज्य सरकार द्वारा निलम्बित करके लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास खत्म किया है। इस तरह की लोकतंत्र की हत्या करना जनता की आवाज को दबाना एवं मनमर्जी करके लोगों को आहत पहुंचाना है। कांग्रेस कार्यकर्ता इस तरह की लोकतंत्र की हत्या को बर्दाश्त नहीं करेगा सरे आम संविधान पर कुठाराघात किया जा रहा है संविधान में बनाए गए नियम के अनुसार प्रधान चुनी गई थी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने इसके बारे में 21 सदस्य कमेटी का गठन किया है जो सवाई माधोपुर जिले के सांसद विधायक पूर्व विधायक को साथ लेकर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर के आगामी

रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में उपजिला प्रमुख बाबूलाल मीणा, मलारना पंचायत समिति उप प्रधान फजलुखान, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल वर्धमान, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष घासीलाल बेरवा, प्रधान प्रतिनिधि मुकेश मीणा, नगर अध्यक्ष मोहन मंगल, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामजीलाल बैरवा, जिला महासचिव सोनिका शर्मा, सतीश श्रीवास्तव, केदारमल मीणा, एसटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बंशीलाल मीणा, अब्दुल गफूर मीडिया प्रभारी अजय शर्मा, मलारना डूंगर से कोसर अली, जरार अहमद, परमानंद लक्ष्मी चंद बेरवा, भारत लाल मीणा, चकेरी हरि भजन बेरवा, लखपत मीणा, रईस आदि मौजूद रहे।

राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन की जिला कार्यकारिणी की घोषणा

-महबूब खां बने मीडिया प्रभारी

चूरू/रतनगढ़, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन जिलाध्यक्ष सरपंच विक्रमपाल थालोड़ ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। थालोड़ ने बताया कि चूरू से महबूब अली खान को मीडिया प्रभारी बनाया गया है और उपाध्यक्ष पद पर राजकुमार सिहाग, श्रवणकुमार सहू, मोहनलाल सैनी रतनगढ़, विजयपाल सहारण सरदारशहर, इनायत खां चूरू, भंवरलाल नायक तारानगर को नियुक्त किया है। महासचिव पद पर देवीलाल सांखला, विद्याधर बेरवाल रतनगढ़, निसार खां चूरू, किशनाराम कालेर आलसर बास, हनुमानराम महिया बीदासर, कमलादेवी, कोषाध्यक्ष रामकरण खीचड़

रतनगढ़, सचिव सुनील कुमार, वेदप्रकाश पंवार, धर्मेंद्रसिंह, अब्दुल सत्तार चेजारा, बाबूलाल मेघवाल, राधेश्याम, दानाराम, आसिफ खान, फूलसिंह थालोड़ रतनगढ़, मोहरसिंह सरदारशहर, संदीप शर्मा व नरेंद्र बामणिया तारानगर व मीडिया प्रभारी महबूब खां नसवान ने अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

मोहर्रम के अवसर पर ताजियों का जुलूस अकीदत के साथ निकाला

"कौन भूलेगा वो सजदा हुसैन का, खंजरों तले भी सर झुका ना था हुसैन का"

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मोहर्रम पर मातमी धुन के साथ बड़ी ही अकीदत के साथ मनाये गये। इस अवसर पर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए मुस्लिम मोहल्लों से ताजिए निकाले गए और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया। मातमी धुनों के साथ निकाले गए

ताजियों को कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान अखाड़ेबाजों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और मोहर्रम के अवसर पर चूरू में शहर में सात स्थानों से ताजिए निकाले गए और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया और ताजियों के जुलूस के रास्ते में जगह-जगह मीठे शर्बत की सबील लगाई गई और प्रसाद वितरित किया गया। ताजिया एक पारंपरिक शोक जुलूस है जो मुहर्रम के दौरान निकाला जाता है, विशेष रूप से शिया मुसलमानों द्वारा। यह जुलूस हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार की शहादत की याद में निकाला जाता है और मातमी धुन के साथ निकाला जाता है। ताजियों के जुलूस में ताजियों की आकृति हजरत इमाम हुसैन के मकबरे की प्रतिकृति बनाई जाती है। मातमी धुन बजाई जाती है, जो शोक और दुख का प्रतीक है। शहर में तेज बरसात के बीच में से निकले ताजिए मुख्य रास्ते हुए बाधित। इस अवसर पर सामाजिक संस्थाएं, समाजसेवी और राजनैतिक दल भाजपा व कांग्रेस ने अलग-अलग स्थानों पर शर्बत व प्रसाद की स्टाल लगाकर मोहर्रम अखाड़ा उस्तादों का साफा एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, प्रधान दीप चंद राहड, वासुदेव चावला, शब्बीर एडवोकेट, सुरेश सारस्वत, सत्तार खान, अख्तर खान, शरीफ सोलंकी, आदिल खान और कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया, गोविंद महनसरिया, रियाजत खान, मोहम्मद हुसैन निर्माण, डॉ. जमील चौहान, असलम खोखर, समाजसेवी महम्मुद राणा, अलाउद्दीन खान, सद्दाम हुसैन एडवोकेट, रामेश्वर एडवोकेट, अली मोहम्मद भाटी, विमल शर्मा, अनीश खान, संजय भाटी, डॉ. जाकिर हुसैन, सुलेमान मनिहार, मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद अली खान आदि मौजूद रहे।

कर्बला की जंग समाज में व्यापत बुराइयों को मिटाने का संदेश देती है -साजिद खान

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरुक मंच के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि 10 मुहर्रम का दिन इस्लामी इतिहास में बहुत अहमियत रखता है, और मोहर्रम के इस 10 दिन तक ओलमाओ द्वारा समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने का संदेश दिया जाता है कुछ लोग मोहर्रम के नाम पर अंधविश्वास और काल्पनिक कार्यों पर जोर देते हैं जो सरासर गलत है। हज़रत आदम की रूह को उनके जिस्म में डालने से लेकर करबला में हज़रत इमाम हुसैन की शहादत तक सेकड़ों बड़ी घटनायें इसी दिन घटित हुई है, और आखिर में कयामत भी इसी दिन आएगी। लेकिन आज हमारा समाज य सारा इतिहास भुलाकर सिर्फ चंद रस्मों और कुरीतियों तक इस दिन को सीमित कर बैठा है, जबकि सिर्फ वाकिया ए करबला में ही हमारे लिए बेशुमार पैगाम छुपे हुए है, अगर हमारा समाज इस दिन फिज़ूल रस्मो से निकल कर हजरत इमाम हुसैन के मकसद ए कुरबानी को समझ जाये तो निरूसंदेह बहुत सारी बुराइयों को मिटाने में सफल हो सकता है। यजीद के खिलाफ हज़रत इमाम हुसैन की जंग का असल कारण यही था कि जिस पवित्र और आदर्श समाज का निर्माण पैग़म्बरे इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम और उनके अज़ीम सहाबा ने किया था, यजीद उस समाज में सत्ता के माध्यम से बुराइयाँ फैलाना चाह रहा था, वो व्यभिचार, ब्याज, नशाखोरी और जुआ जैसी बुराइयों को समाज में आम करना चाहता था, और इसके लिए वो इमाम हुसैन से समर्थन मांग रहा था, जिसके खिलाफ इमाम हुसैन ने आवाज़ उठाई और बुराइयों को मिटाने के लिए अपनी और अपने साथियों की जानों के नज़राने पेश कर दिए। यही कारण

है कि 1400 साल से अधिक समय गुज़र जाने के बाद भी इमाम हुसैन को पुरे आलमे इस्लाम में आज भी याद किया जाता है और कयामत तक याद किया जाता रहेगा, इमाम हुसैन को खिराजे अकीदत पेश करने का सही तरीका ये है कि हम भी समाज में व्याप्त बुराइयों को जड़ से खत्म करने की कोशिश करें, और एक सभ्य समाज के निर्माण में अपना योगदान दें, अगर हम ऐसा नहीं करते है तो ये दिन हमारे लिए भी एक रस्म बनकर रह जायेगा।

रेलवे कब्रिस्तान में हॉल निर्माण के लिए विधायक कोटे से सात लाख रुपये स्वीकृत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रेलवे कब्रिस्तान में पिछले काफी दिनों से हॉल की आवश्यकता के लिए रेलवे कब्रिस्तान के सदर बाबू इस्माइल खान पूर्व पार्षद ने पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण से निवेदन किया तो तत्काल राजेंद्र सिंह राठौड़ के आग्रह पर चूरू विधायक हरलाल लाल सहारण ने अपने विधायक कोटे से 7 लाख रुपये की स्वीकृति जिला कलेक्टर को भेज दी। इस नेक कार्य के लिए पूर्व पार्षद बाबू इस्माइल खान ने एवं रेलवे कब्रिस्तान कमेटी ने राजेंद्र सिंह राठौड़ व चूरू विधायक हरलाल सहारण का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

पीर की जाल मदरसा विद्यालय में किया पौधरोपण

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। उपखण्ड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह पीर की जाल पर मदरसा दारूल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय में सघन पौधरोपण कर विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने एक-एक पौधे को गोद लेकर बड़ा करने की जिम्मेदारी ली। प्रधानाध्यापक हुसैन खॉन मैत्रीवाड़ा ने बताया कि वृक्ष को जीवन का आधार बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाकर उसके रख रखाव के साथ एक पेड़ की मानव जीवन में उपयोगिता पर महत्व डाला। अध्यापक रूस्तम खॉन लाखावास ने बताया कि पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है। वृक्षो को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है। जिससे पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके। पर्यावरण संरक्षण करना मानव

मात्र का नैतिक कर्तव्य है। मौलना अब्दुल सतार सिद्दीकी ने कहा कि हरियालों राजस्थान के तहत पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मदरसा कार्यालय मोहम्मद अब्बास ने कहा कि कि वृक्षों की कमी के चलते पृथ्वी पर कई तरह की आपदाएं आ रही है। इसके अलावा ग्लोबल वार्मिंग के चलते पृथ्वी का तापमान भी साल-दर-साल बढ़ रहा है। ऐसे ही हालात रहे तो आने वाले समय में पृथ्वी पर प्राणी मात्र का संकट में रहेगा। उन्होंने उपस्थित विधार्थियों व युवाओं को आह्वान किया कि वे अपने-अपने स्तर पर अधिक से अधिक पौधारोपण करे।

सांचौर पुलिस शराब तस्करी व देर रात शराब बिक्री को लेकर सख्त

-आईपीएस अधिकारी ने जारी की सख्त गाइडलाइन

मोहम्मद अब्बास

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। एक ओर जहां राज्य सरकार नशा मुक्त राजस्थान की दिशा में कदम बढ़ा रही है, वहीं सांचौर पुलिस भी अब क्षेत्र को नशे से मुक्त करने के लिए पुरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित शराब कारोबार पर नकेल कसने के लिए मोर्चा खोल दिया है। विशेष रूप से रात 8 बजे के बाद शराब बेचने वालों व तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ अब सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने इस संबंध में पूरी रणनीति तैयार कर दी है। और कार्रवाई की शुरूआत भी कर दी गई है। सहायक पुलिस अधीक्षक काम्बले शरण गोपीनाथ ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा कि सांचौर और चितलवाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व शराब बिक्री करने वालों की गतिविधियों पर पैनी नजर है, ताकि क्षेत्र में नशा कारोबार पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। पुलिस एएसपी कांबले शरण गोपीनाथ ने सभी गोदाम संचालकों, शराब ठेका संचालको व शराब कारोबारियों के लिए दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि वैध कागजात रखना अनिवार्य है। कभी भी जॉच की जा सकती है। दुकान संचालन का समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। शराब खरीद कर शराब ठेके के पास बैठकर पीना हंगामा करना पूर्णतः प्रतिबंधित है, ऐसे में सीधी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रात में खिड़की से शराब बेचना भी पूर्णतः वर्जित है। गुजरात सीमा में शराब तस्करी करते पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह सीमा क्षेत्र विशेष निगरानी में है। पुलिस की चेतावनी अब लापरवाही नहीं चलेगी। एएसपी कांबले शरण गोपीनाथ ने कहा

कि जो भी इन दिशा निर्देशों की अवहेलना करेगा, उस के खिलाफ मंदिरा अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट सहित कठोर धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा। सांचौर पुलिस की इस मुहिम से नशे के खिलाफ जन चेतना भी बढ़ रही है और आमजन से भी अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तुरन्त पुलिस को दें।

कांग्रेस कार्यालय पर नव नियुक्त पदाधिकारी का स्वागत किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में सेवादल के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शॉल, स्वागत किया गया। इस अवसर पर चूरू विधानसभा अध्यक्ष चन्दनमल मेघवाल, चूरू ब्लॉक शहर अध्यक्ष शंकरलाल चंदेलिया, चूरू ब्लॉक देहात अध्यक्ष दौलतराम भाम्भू का अभिनंदन किया गया साथ ही इनायत खां को कांग्रेस के पंचायतीराज संगठन का उपाध्यक्ष व नासर पिथिसर को सचिव बनाये जाने पर इनका भी रफीक मंडलिया द्वारा अभिनंदन किया गया इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कांग्रेस सेवादल के नवनियुक्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे पार्टी को मजबुत करने के लिए कार्य करें और सभी से कांग्रेस की नीतियों का घर घर प्रचार प्रसार कर कांग्रेस सरकार की योजनाओं के लाभ से प्रत्येक नागरिक को अवगत करा कर कांग्रेस को मजबुत करने का कार्य करें। सेवादल के नवनियुक्त पदाधिकारी चन्दनमल मेघवाल, शंकरलाल चंदलिया, दौलतराम भाम्भू ने कहा कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया की अनुशंषा पर सेवादल के प्रदेश नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास प्रकट किया है उस पर वह खरा उतरने के लिए पूर्ण रूप से प्रयास करेंगे। इस दौरान शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर

धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नारायण बालाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष विधाधर मेघवाल, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, पूर्व सरंपच जंगशेर खां भूवाण, सोहनलाल मेघवाल, आरिफ रिसालदार, श्रवण बसेर, प्रमेश्वर ढाका, हरिराम पुनियां, हेमन्त सिहाग, मुस्ताक पिथिसर आदि मौजुद रहें।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही सखी उत्पादन समिति

-हिन्दुस्तान जिंक के सीएसआर के तहत् स्थापित लघु उद्योग से महिलाएं बनी उद्यमी

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हिन्दस्तान जिंक के सीएसआर के तहत् विभिन्न परियोजनाएं चलायी जा रही है जिनमें लघु उद्योगों को बढ़ावा देना प्रमुखता से है। विगत 5 वर्षो में दो महिला उद्योग स्थापित किये गये जिसमें महिलाएं उद्यमी बनकर उभरी है। अगस्त 2021 में स्थापित महिला-स्वामित्व और महिला-नेतृत्व वाला सामाजिक उद्यम, सखी उत्पादन समिति ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं के जीवन में एक बड़ा बदलाव ला रहा है। हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम, सखी पहल से शुरू की गयी यह समिति, 30 हजार से अधिक महिलाओं को 2 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित कर सशक्त बना रही है। इन समूहों ने सामूहिक रूप से 18.8 करोड़ की बचत की है और 100.6 करोड़ रूपयें से अधिक के ऋण प्राप्त किए हैं, जिससे हजारों ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिली है।

उदयपुर के निकट जावर गांव की इंदिरा मीणा, नमकीन इकाई से जुड़ी हुई है, अपना अनुभव बताते हुए वह कहती है कि, मेरे घर के पास नमकीन इकाई का खुलना मेरे लिए एक सच्चा आशीर्वाद रहा है। हर दिन, मैं यहाँ आने, अपनी साथी सखियों के साथ काम करने और स्वादिष्ट नमकीन बनाने की कला सीखने का बेसब्री से इंतजार करती हूँ। हमारा नमकीन सभी शुद्ध सामग्री के साथ, शुद्ध कोल्ड-प्रेस्ड तेल और इन-हाउस मसाले से बनी है। आज, मैं गर्व से अपने पैरों पर खड़ी हूँ, अपने बेटे की शिक्षा में सहयोग कर रही हूँ और घर का प्रबंधन कर रही हूँ। मेरे साथ कार्य करने वाली सभी महिलाएं मेरी बहनों और परिवार की तरह हैं, जो हम सभी को सशक्त करता है।

सखी द्वारा निर्मित उत्पाद और परिधान बने आमजन की पसंद

जिंक ने सखी समूहों की आय सृजन को प्राथमिकता समझते हुए सखी के उत्पादों को बेचने के लिए स्थानिय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री और बाजार से जोडा है ताकि सखी महिलाओं के बने उत्पाद सीधे बाजार में पहुंचे। सखी उत्पादन समिति के तहत दो मुख्य ब्रांड हैं। दायची यह ब्रांड पारंपरिक तरीकों और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग कर तैयार किए गए शुद्ध और केमिकल-मुक्त खाद्य उत्पाद जैसे घी, अचार, कोल्ड-प्रेस्ड तेल, मसाले और नमकीन प्रदान करता है, जो सीधे किसानों से प्राप्त होते हैं। दूसरा ब्रांड उपाया जिसमें पारंपरिक राजस्थानी हैंड-ब्लॉक प्रिंट और प्राकृतिक रंगों को समकालीन डिजाइनों के साथ मिलाकर आरामदायक, कार्यात्मक और किफायती परिधान बनाए जाते हैं। डिजायनर कपड़े, बेग, होम डेकोर को आमजन द्वारा पंसद किया जा रहा है।

सखी उत्पादन समिति ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर देने और उन्हें गरिमा के साथ कमाई करने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कई महिलाएं, जिन्होंने पहले कभी घर से बाहर काम नहीं किया था, अब अपने परिवारों और समुदायों में आदर्श बन गई हैं। वे अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से सामाजिक बाधाओं को तोड़ रही हैं और अन्य महिलाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित कर रही हैं। वर्तमान में, राजस्थान और उत्तराखंड में स्थित 14 उत्पादन इकाइयों जिनमें 8 कपड़ा और 6 खाद्य इकाइयाँ संचालित है एवं 200 से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, 100 से अधिक बिजनेस सखी ग्रामीण बिक्री एंबेसेडर के रूप में कार्यरत हैं, जो आस-पास के गाँवों और कस्बों में हस्तनिर्मित उत्पाद बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, इन बिजनेस सखियों ने सामूहिक रूप से 39.5 लाख कमाए एवं सखी उत्पादन समिति ने 2.31 करोड़ का राजस्व दर्ज किया, जो महिलाओं की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाता है।

महिलाओं को उद्यमी बनाने में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका

हिन्दस्तान जिंक ग्रामीण महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड कर उन्हें उद्यमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हिन्दस्तान जिंक अपने सामाजिक सरोकार के तहत महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए विगत 7 वर्षो से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का स्वंय सहायता समूह बनाकर उनक रूचि एवं आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण देकर समाज में अपनी अलग ही पहचान दिलाने का अनुठा प्रयास कर रहा है। फलस्वरूप इस अभियान से जुडी महिलाओं में अदम्य विश्वास मुखरित हुआ है।

बाजार तक सीधी पहुँच

2023 में, सखी उत्पादन समिति ने अपना पहला ऑनलाइन बाजार हार्ट्स विद फिंगर्स लॉन्च किया, जो ग्रामीण महिलाओं और किसानों को सीधे उन ग्राहकों से जोड़ता है जो प्रामाणिक, हस्तनिर्मित उत्पाद पसंद करते हैं। यह प्लेटफॉर्म उद्यमों को व्यापक बाजारों तक पहुँचने में मदद करता है।

पिछले साल, अमेजन पर दायची उत्पादों के लॉन्च के साथ बड़ी सफलता मिली। इससे उत्पादों की उपलब्धता बढ़ी और उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ- गाय

का घी गौयम को अमेजन्स चोइस बैज मिला, जबकि आम का अचार बेस्टसेलर बन गया है। अब कुछ दायची उत्पाद सब्सक्रिप्शन पर भी उपलब्ध हैं। फ्लिपकार्ट, ओएनडीसी और जल्द ही वाट्सअपन, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर सोशल कॉमर्स रोलआउट के साथ, सखी उत्पादन समिति ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए नए अवसर सृजित कर प्रामाणिक, हस्तनिर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचा रही है।

सखी उत्पादन समिति की यूनिट

सखी उत्पादन समिति चित्तौड़गढ़ के मूंगा खेड़ा गांव में ऑयल प्रेसिंग यूनिट संचालित है जो कि अचार और नमकीन के निर्माण में रॉ मटेरियल पर नियंत्रण सुनिश्चित करने, उत्पादन लागत को कम करने तथा बाजार की मांग को पूरा करने की दिशा में अगला कदम है।

बाजार से आने वाली बड़ी मांग को पूरा करने के लिए गुणवत्ता वाला शहद उपलब्ध कराने के लिए उत्तराखंड रुद्रपुर में शहद प्रसंस्करण इकाई स्थापित की गई। रूद्रपुर में ही महिलाओं को क्रोशिया प्रशिक्षण दिया जा रहा है। रेलमगरा, दरीबा में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया, जिसमें 30 से अधिक महिलाओं को परिधानों की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। दरीबा में बार और बाजरा बिस्कुट बनाने की उत्पादन इकाई स्थापित की गई, जो 100 से अधिक महिलाओं को आय और बिक्री के अवसर प्रदान कर रही है। कला को संरक्षित और विकसित करने तथा उपाया के साथ इसे पूरे देश में उपलब्ध कराने के लिए कायड़ में ब्लॉक प्रिंटिग प्रशिक्षण और उत्पादन केंद्र की स्थापना की जा रही है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

मनिहार समाज का छात्रावास सीकर शहर में शुरू

-छात्रावास में उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए प्रवेश शुरू हो गया है -शिक्षा की नगरी सीकर में मनिहार समाज का हॉस्टल मनिहार विकास समिति के अध्यक्ष इस्लामुद्दीन खान के नेतृत्व में तैयार किया गया है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मनिहार विकास समिति के अध्यक्ष एवं जलदाय विभाग, राजस्थान के पूर्व चीफ इंजीनियर आई. डी. खान के नेतृत्व में मनिहार समाज का छात्रावास करीब एक वर्ष में तैयार ही नहीं हुआ है, बल्कि अब उसमें समाज के उन छात्रों के लिए जो डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक सेवा में जाना चाहते हैं या फिर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, के लिए प्रवेश शुरू हो चुका है। कुछ छात्र छात्रावास में रहकर परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर चुके हैं। मनिहार समाज छात्रावास सीकर में अच्छे खाने, स्वच्छ पीने के पानी और रहने का बेहतरीन इंतजाम किया गया है। समाज अध्यक्ष आई.डी. खान और उनकी टीम छात्रावास के संचालन और छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं का बारीकी से अध्ययन करके आगे बढ़ रही है। समाज के अध्यक्ष आई. डी. खान का कहना है कि हमारा मकसद है कि छात्रावास में रहने वाले छात्र बिना किसी परेशानी के परीक्षाओं की तैयारी करें और अपने लक्ष्य तक पहुंचे, जब तक हमारे बच्चे अपने बड़े लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते हैं, हमारा अभियान जारी रहेगा। आई.डी. खान साहब का यह भी कहना है कि हमारी कमेटी के सभी सदस्य मेहनत और ईमानदारी से काम करते हैं। सभी ने आर्थिक सहयोग दूसरों से लेने में बड़ी मेहनत की है और स्वयं ने भी आर्थिक सहयोग दिया है। आई. डी. खान साहब का कहना है कि छात्रावास के संचालन के लिए अभी भी आर्थिक सहयोग की जरूरत है, इसलिए समाज के लोगों से गुजारिश है कि वह ज्यादा से ज्यादा आर्थिक सहयोग करें।

मनिहार विकास फाउंडेशन - आई. डी. खान साहब ने बताया कि मनिहार विकास समिति की ओर से मनिहार विकास फाउंडेशन का गठन किया गया है। फाउंडेशन के जरिए समाज के ऐसे लोगों की मदद की जाएगी जो अपना छोटा-मोटा व्यवसाय करना चाहते हैं।

उन्हें एक लाख रुपए बिना ब्याज उपलब्ध करवाये जाएंगे। इसके अलावा ऐसे परिवार जिनके बच्चे पढ़ रहे हैं, लेकिन फीस भरने की स्थिति नहीं है। उनकी फीस मनिहार विकास फाउंडेशन से दी जाएगी। फाउंडेशन ऐसे परिवारों की भी मदद करेगा, जिनकी बच्चियां शादी होने के लायक हैं। इसके अलावा समाज के जरूरतमंदों की भी मदद की जाएगी।

हजरत इमाम हुसैन का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अले.) द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट में कहा, "हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।"

आशूरा-ए-मुहर्रम का पवित्र उत्सव इस्लामी इतिहास में एक मार्मिक दिन है, जो पैगंबर मुहम्मद के सम्मानित पोते हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत का सम्मान करता है। यह दिन अत्याचार के सामने साहस, बलिदान और दृढ़ता का पर्याय है। यह दिन अत्याचार के सामने साहस, बलिदान और दृढ़ता का पर्याय है।लाखों लोग कर्बला की लड़ाई में सत्य, धार्मिकता और न्याय के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र होते हैं। रविवार को पूरे देश में 10वां मुहर्रम मनाया जा रहा है, जिसे आशूरा कहा जाता है। मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है। दुनिया भर के शिया मुसलमान सार्वजनिक शोक मनाते हैं। मुस्लिम कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम का 10वां दिन इमाम हुसैन की शहादत का दिन है, जिन्हें 680 ई. में इराक के कर्बला क्षेत्र में फ़रात नदी के तट पर राजा यज़ीद की सेना ने शहीद कर दिया था। इमाम हुसैन के घिरे हुए उनके परिवार और साथियों को पीने का पानी भी नहीं दिया गया, जबकि वे फरात नदी के तट पर डेरा डाले हुए थे। यहां तक कि 6 महीने के अली असगर को भी यजीद की सेना ने पीने का पानी नहीं दिया था। इमाम हुसैन ने सच्चाई पर बुराई की सर्वोच्चता को स्वीकार करने के बजाय खुद और अपने परिवार और साथियों की कुर्बानी देने का फैसला किया। शिया मुसलमान जुलूस निकालकर और छाती पीटकर इस घटना को याद करते हैं, लेकिन मुहर्रम का शोक शिया और सुन्नी दोनों मुसलमानों के लिए समान रूप से पवित्र है।

पटना अपार्टमेंट में भीषण आग, 5 फ्लैट जलकर खाक

-दमकल की 10 गाड़ियों ने काबू पाया, दर्जनों लोगों को रेस्क्यू कर बचाया

पटना। राजधानी पटना के राजीव नगर स्थित एक पॉश अपार्टमेंट में सोमवार सुबह अचानक आग लग गई। इस हादसे में अपार्टमेंट के करीब 5 फ्लैट आग की चपेट में आ गए। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में ऊपरी मंजिल तक फैल गई और धुआं पूरे अपार्टमेंट में भर गया। मौके पर अफरातफरी मच गई और लोग अपने बच्चों व बुजुर्गों को लेकर छत और सीढ़ियों की ओर दौड़ पड़े। कई लोगों ने खिड़कियों से कपड़े की रस्सियां बनाकर नीचे उतरने की कोशिश की, वहीं कुछ लोगों को दमकल विभाग ने सीढ़ियों और हाइड्रोलिक सीढ़ियों के जरिए रेस्क्यू किया। देखते ही देखते आग ने 5 फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया। कई लोग इस आग में फंस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने सभी का रेस्क्यू किया। करीब 1 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। आग बहादुरपुर थाना क्षेत्र स्थित सिद्धनाथ अपार्टमेंट में लगी थी।आग लगने की सूचना मिलते ही लोग अपने फ्लैट से सामान और गैस सिलेंडर निकालने में जुट गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और बहादुरपुर थाने को जानकारी दी।

कमरे से धुआं उठता देखा तो भागे

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 'एक फ्लैट के कमरे से पहले तेज धुआं निकलता दिखा। स्थानीय लोगों ने पानी छिड़ककर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल गई। लाखों का नुकसान हुआ है।' बहादुरपुर थाना प्रभारी संजय शंकर ने बताया- 'सिद्धनाथ अपार्टमेंट में कुल 24 फ्लैट हैं। सोमवार की दोपहर फ्लैट संख्या 304 में तेजी से धुआं निकलता देखे लोगों ने शोर मचाया।' 'आवाज सुनने के बाद आसपास फ्लैट के लोग जुटे। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम और बहादुरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।' ''फ्लैट संख्या 304 में घर के अंदर चार से पांच महिलाएं थीं। आनन-फानन में रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकल गया।' 'आग की लपटें तेज होने के कारण 5 फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया था, लेकिन समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।' 'फ्लैट संख्या 304 में लाखों रुपए के कीमती सामान जिसमें आलमीरा, बेड, सोफा सेट, फ्रिज सहित लाखों के सामान जलकर नष्ट हो गए। अभी स्थिति सामान्य है।' सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी शशिकांत प्रसाद शर्मा ने बताया कि 'किसी तरह का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। आग लगने के बाद जो लोग फ्लैट में फंसे थे उनको सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।'

कैसे लगी आग?

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल पर बने एक फ्लैट में सुबह करीब 8:15 बजे लगी। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से एसी में आग लगी, जिसने पास रखे पर्दों और फर्नीचर को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने रसोई और दूसरे कमरों को भी घेर लिया। घर में रखे गैस सिलेंडर के कारण आग तेजी से फैलने लगी और खिड़की के जरिए आग की लपटें बाहर आने लगीं। आस-पास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। करीब 10 मिनट में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं, लेकिन तब तक आग तीसरी और चौथी मंजिल के फ्लैट तक पहुंच चुकी थी।

दमकल की 10 गाड़ियों ने घंटों मशक्कत कर बुझाई आग

आग की भयावहता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की कुल 10 गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने आसपास के इलाकों से पानी की सप्लाई कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू में किया जा सका। दमकल कर्मियों ने बिल्डिंग की बिजली सप्लाई को पूरी तरह बंद करवाया ताकि और कोई बड़ा हादसा न हो। फायर ऑफिसर अरुण कुमार ने बताया कि आग बुझाने में दिक्कतें इसलिए भी आईं क्योंकि अपार्टमेंट के पीछे की ओर जाने का रास्ता संकरा था और पानी की पाइप को ऊपर तक पहुंचाने में वक्त लगा। हालांकि दमकल टीम ने पूरे संयम और तेजी के साथ राहत कार्य को अंजाम दिया।

लोगों को ऐसे किया गया रेस्क्यू

आग की वजह से अपार्टमेंट में धुएं का गुबार भर गया। कई लोग अपने फ्लैट में फंस गए थे। दमकल कर्मियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। कुछ बुजुर्ग और महिलाएं खिड़कियों और बालकनी से मदद के लिए चिल्ला रही थीं। दमकल विभाग ने हाइड्रोलिक सीढ़ियों की मदद से ऊपर की मंजिल पर फंसे लोगों को नीचे उतारा। करीब 45 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से 10 लोगों को दम घुटने की वजह से मामूली चोटें और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत हुई, जिन्हें पास के अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया।

केशव पर FIR की मांग वाली याचिका फिर खारिज

-कोर्ट बोला- फर्जी डिग्री के आरोपों में कोई दम नहीं

प्रयागराज। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ फर्जी डिग्री के आधार पर पांच चुनाव लड़ने और पेट्रोल पंप हासिल करने के आरोप में FIR दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर कोर्ट ने फिर से सुनवाई करते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में FIR दर्ज कराने लायक कोई ठोस आधार नहीं है। याचिकाकर्ता का दावा था कि केशव प्रसाद मौर्य ने जिस डिग्री के आधार पर पांच विधानसभा चुनाव लड़े और पेट्रोल पंप लिया, वह फर्जी है, लेकिन कोर्ट ने इस दावे को बेबुनियाद मानते हुए कहा कि पूर्व में भी इसी मामले में कोर्ट याचिका खारिज कर चुकी है और याचिकाकर्ता वही बातें फिर से दोहरा रहे हैं।

क्या था याचिका में आरोप

याचिका में आरोप लगाया गया था कि केशव प्रसाद मौर्य ने अपनी शैक्षणिक योग्यता के लिए जिस डिग्री का हवाला दिया, वह अमान्य है। इसी डिग्री के आधार पर उन्होंने पांच चुनाव लड़े, जिसमें उन्होंने हलफनामे में झूठी जानकारी दी। साथ ही इसी फर्जी डिग्री के आधार पर उन्होंने पेट्रोल पंप का लाइसेंस प्राप्त किया। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी कि इस मामले में पुलिस को FIR दर्ज करने और जांच करने के आदेश दिए जाएं।

कोर्ट ने क्यों खारिज की याचिका

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ता ने पहले भी इसी मामले को कोर्ट में उठाया था, जिसे 2018 में खारिज किया गया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन वहां भी याचिका खारिज हो गई। अब उसी मुद्दे को दोबारा उठाने का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास कोई नया तथ्य नहीं है और पुराने आरोपों के आधार पर बार-बार याचिका डालना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

पेट्रोल पंप के लाइसेंस का मामला क्या था?

याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि केशव प्रसाद मौर्य ने जिस शैक्षणिक योग्यता को दिखाकर पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया, वह फर्जी थी और इस आधार पर उन्होंने गलत तरीके से पेट्रोल पंप का लाइसेंस प्राप्त किया। इस पर कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पहले भी सक्षम प्राधिकारी जांच कर चुके हैं और कोई धोखाधड़ी साबित नहीं हुई है। लिहाजा, पुलिस को FIR दर्ज करने का आदेश देने की कोई जरूरत नहीं है।

केशव प्रसाद मौर्य का पक्ष

केशव प्रसाद मौर्य ने पहले भी इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि उनकी डिग्री वैध है और उनके खिलाफ यह आरोप राजनैतिक साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में उनकी जीत और जनता का विश्वास इस बात का प्रमाण है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है।

याचिकाकर्ता ने क्या कहा?

याचिकाकर्ता ने कोर्ट के फैसले पर निराशा जताई और कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करेंगे। याचिकाकर्ता का कहना है कि डिग्री की प्रमाणिकता पर सवाल उठाना लोकतंत्र में प्रत्याशियों की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

राजनीतिक प्रतिक्रिया

इस फैसले के बाद बीजेपी नेताओं ने इसे सच्चाई की जीत बताया और कहा कि विपक्षी दल जानबूझकर केशव प्रसाद मौर्य की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोर्ट ने सच्चाई को सामने लाया। वहीं, विपक्षी दलों ने कहा कि कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं लेकिन डिग्री की सत्यता को लेकर सवाल अभी भी जनता के बीच हैं।

न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग या लोकतांत्रिक सवाल?

इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि चुनाव में प्रत्याशियों की डिग्री और हलफनामे में दी गई जानकारियों की जांच के लिए क्या कोई ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। बार-बार एक ही मुद्दे पर याचिका दायर करना अगर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है तो वहीं पारदर्शिता की दृष्टि से सही जानकारी जनता तक पहुंचाना भी लोकतंत्र के लिए जरूरी है।

जस्टिस वर्मा केस में तुरंत FIR हो, उपराष्ट्रपति बोले – जज के घर बोरियों में अधजले नोट-कैश कहां से आया, ये जानना जरूरी

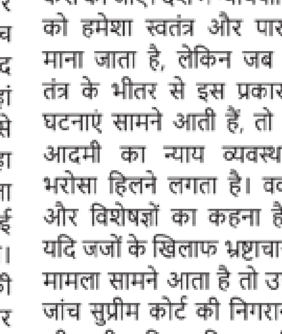

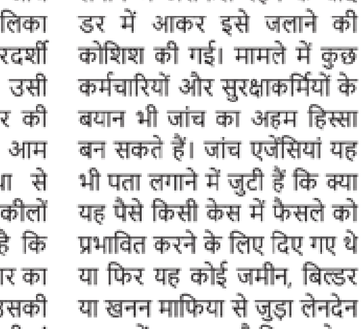

नई दिल्ली। देश में न्यायपालिका की गरिमा और पारदर्शिता को लेकर हाल ही में बड़ा सवाल तब खड़ा हुआ जब एक हाईकोर्ट जज के घर बोरियों में अधजले नोट मिलने की खबर आई। यह मामला केवल नोटों की बरामदगी का नहीं, बल्कि न्यायपालिका में बढ़ते भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी का भी प्रतीक बन गया है। उपराष्ट्रपति ने इस मामले पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण में तुरंत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की जानी चाहिए ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके और दोषियों को सजा मिल सके।

जस्टिस वर्मा केस में क्या हुआ?

यह मामला तब सामने आया जब प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग की संयुक्त कार्रवाई के दौरान एक वरिष्ठ हाईकोर्ट जज जस्टिस वर्मा के घर पर छापेमारी की गई। छापे के दौरान बोरियों में अधजली हालत में नोटों के बंडल बरामद किए गए। सूत्रों के अनुसार इन नोटों की संख्या इतनी अधिक थी कि उन्हें छुपाने के लिए अधजला दिखाने की कोशिश की गई। इन बोरियों में 500 और 2000 के नोट भारी मात्रा में थे, जिनकी गिनती पूरी नहीं हो सकी है। इस पूरे मामले में यह सवाल सबसे बड़ा है कि इतना कैश आखिर आया कहां से और इस पैसे को क्यों जलाने की कोशिश की गई?

उपराष्ट्रपति का बयान

उपराष्ट्रपति ने इस मामले पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा: "जब देश की न्यायपालिका पर जनता का भरोसा कायम रखना है, तब ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई आवश्यक है। जस्टिस वर्मा मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए ताकि जांच आगे बढ़ सके। यह जानना बेहद जरूरी है कि यह कैश कहां से आया और किस मकसद से इकट्ठा किया गया।" उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में पारदर्शिता और ईमानदारी को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इस घटना ने न्यायपालिका की साख को चोट पहुंचाई है और अब जिम्मेदारी बनती है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और तेज जांच हो।

न्यायपालिका की गरिमा पर सवाल

इस मामले ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कैसे की जाए। देश में न्यायपालिका को हमेशा स्वतंत्र और पारदर्शी माना जाता है, लेकिन जब उसी तंत्र के भीतर से इस प्रकार की घटनाएं सामने आती हैं, तो आम आदमी का न्याय व्यवस्था से भरोसा हिलने लगता है। वकीलों और विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जजों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला सामने आता है तो उसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी मं की जानी चाहिए ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

अधजले नोट, गवाह और सुरक्षा

इस केस में बरामद अधजले नोट इस ओर संकेत कर रहे हैं कि या तो सबूत मिटाने की कोशिश की गई या फिर इस पैसे को ठिकाने लगाने में असफल रहने के बाद डर में आकर इसे जलाने की कोशिश की गई। मामले में कुछ कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के बयान भी जांच का अहम हिस्सा बन सकते हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि क्या यह पैसे किसी केस में फैसले को प्रभावित करने के लिए दिए गए थे या फिर यह कोई जमीन, बिल्डर या खनन माफिया से जुड़ा लेनदेन था। सूत्रों का कहना है कि इस केस में जिन कर्मचारियों ने नोट जलते देखे, उनकी सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है।

हाईकोर्ट ने टर्किश कंपनी को भारतीय एयरपोर्ट्स पर सर्विस देने से रोका

-तुर्की के पाकिस्तान समर्थन को वजह माना

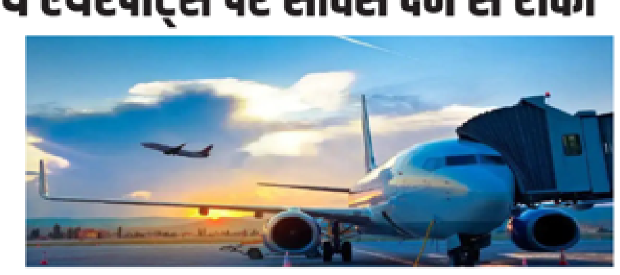

नई दिल्ली। भारत की सुरक्षा व्यवस्था में एक अहम फैसला सामने आया है, जिसके तहत टर्किश कंपनी को भारतीय एयरपोर्ट्स पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस देने से रोका गया है। इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट ने बरकरार रखते हुए सरकार की दलीलों को सही माना है। कोर्ट ने कहा कि जब मामला राष्ट्रीय सुरक्षा का हो, तब वाणिज्यिक हितों को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। दरअसल, यह मामला तब शुरू हुआ था जब एक टर्किश ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी ने भारत के कई एयरपोर्ट्स पर अपनी सेवाएं देने के लिए अनुबंध किया था। लेकिन भारत सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इसे अनुमति देने से इनकार कर दिया। इस रोक के खिलाफ कंपनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया कि यह उनके व्यापारिक अधिकारों का उल्लंघन है।

क्या कहा कोर्ट ने?

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि एयरपोर्ट्स देश की सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्र हैं और वहां पर कार्य करने वाली कंपनियों की पृष्ठभूमि एवं उनके देश की नीतियों को ध्यान में रखना आवश्यक है। कोर्ट ने कहा कि भारत सरकार ने जो खुफिया इनपुट्स प्रस्तुत किए, वे यह दिखाते हैं कि टर्की का पाकिस्तान से गहरा रिश्ता है और हाल में कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां टर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया है, विशेषकर कश्मीर के मुद्दे पर। ऐसे में भारत की सुरक्षा एजेंसियों का यह आकलन बिल्कुल उचित है कि टर्किश कंपनी को एयरपोर्ट्स पर संचालन की अनुमति देना सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकता है।

टर्की-पाकिस्तान रिश्ते और भारत की चिंता

यह कोई छिपी बात नहीं है कि टर्की ने पिछले वर्षों में खुले तौर पर पाकिस्तान का समर्थन किया है। कश्मीर पर पाकिस्तान के दावों को टर्की के राष्ट्रपति ने कई बार सार्वजनिक मंचों पर समर्थन दिया है। इसके अलावा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और टर्की के राष्ट्रपति के बीच बढ़ती नजदीकियां और रक्षा समझौते भारत के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत का मानना है कि ऐसे माहौल में अगर किसी टर्किश कंपनी को भारतीय एयरपोर्ट्स तक पहुंच मिलती है, तो यह सुरक्षा के लिहाज से जोखिमपूर्ण होगा।

क्या है ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस?

एयरपोर्ट्स पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस में विमानों की पार्किंग, यात्रियों की चढ़ाई-उतराई, लगेज की हैंडलिंग, विमान की सफाई, ईंधन भराई, सिक्योरिटी चेक जैसी सेवाएं शामिल होती हैं। इन सेवाओं में कर्मचारियों को एयरपोर्ट के हर कोने में पहुंचने की अनुमति होती है, ऐसे में किसी भी प्रकार की चूक या गुप्त गतिविधि देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकती है।

खैलदार समाज हॉस्टल एजुकेशन मुहिम की मीटिंग में नई कमेटी का गठन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खैलदार समाज हॉस्टल एजुकेशन मुहिम की तारीख़ 29 जून 2025 को झोटवाड़ा, जयपुर में एक अहम मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान के अलग-अलग जगहों से बुजुर्गों, साथियों और नौजवानों ने बड़ी तादाद में शिरकत की। तालीम को फ़रोग़ देने और समाज के बच्चों को बेहतर तालीमी माहौल देने के मक़सद से बुलाई गई इस मीटिंग में कई अहम फ़ैसले लिए गए। मीटिंग में सर्वसम्मति से हाजी जनाब अब्दुल गफ्फार मिर्जा (चेयरमैन, पैरामाउंट सर्वोदय एजुकेशन ग्रुप, कोटा) को खैलदार समाज हॉस्टल एजुकेशन मुहिम राजस्थान का सदर (अध्यक्ष) चुना गया। इसके अलावा खान अब्दुल वसी बड़ी उदेई (सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर) को सचिव और डॉ. सगीर अहमद (पूर्व सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वक्फ बोर्ड जयपुर) को कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही अदील अहमद (वज़ीरपुर) को सह-कोषाध्यक्ष और मुहम्मद आरिफ़ (चेडिया) को सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

दिल्ली में NH-48 पर 2 किमी लंबा जाम

-देशभर में मानसून का कहर जारी

दिल्ली। देशभर में मानसून पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। सोमवार को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सभी राज्यों में तेज बारिश जारी है। राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद NH-48 पर कई जगहों पर दो-दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। गाड़ियां घंटों तक फंसी रहीं, लोग उमस और गर्मी में बेहाल दिखे। जगह-जगह जलभराव और ट्रैफिक की धीमी रफ्तार ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के कारण दिल्ली-गुड़गांव रूट पर सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। ऑफिस जाने वाले लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए। बारिश का पानी सड़कों पर जमा होने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और ट्रैफिक कंट्रोल की टीम लगातार ट्रैफिक को क्लियर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन तेज बारिश के कारण हालात काबू में नहीं आ पा रहे हैं।

उत्तराखंड में पहाड़ों पर आफत की बारिश

इधर पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भी तेज बारिश से हालात बिगड़ रहे हैं। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री मार्गों पर मलबा आने से कई रास्ते बंद हो गए हैं। विशेष रूप से बद्रीनाथ हाईवे पर कई जगह भारी मलबा और पत्थर गिरने के कारण रास्ता बाधित हो गया है। यात्री जगह-जगह फंसे हुए हैं। प्रशासन और SDRF की टीमें मलबा हटाने और रास्ते खोलने का काम कर रही हैं। चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे आसपास के गांवों में भी खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले 48 घंटे तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते चारधाम यात्रा पर भी असर पड़ा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,